राजस्थान की कला एवं संस्कृति

(Oneliner Questions)

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

Published by : **rajstudents.com**

Website : www.rajstudents.com
Price : 20/-
Year : 2025
Edition : 1st

Copyright© rajstudents.com

All rights Reserved.
No part of this publication may be reproduced, transmitted or stored in a retrieval system, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying recording or otherwise, without the prior permission of the writer.

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

प्रस्तावना

प्रस्तुत ई–बुक **'राजस्थान की कला एवं संस्कृति'** विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर तैयार की गयी है। इसमें तथ्यों का संकलन एन.सी.ई.आर.टी. के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित है। इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले अधिक से अधिक संभावित प्रश्नों का समावेश किया गया है और **प्रत्येक प्रश्न एक लाईन वाले** हैं जिन्हें याद करने में विद्यार्थियों/परीक्षार्थियों को बहुत आसानी रहेगी।

प्रस्तुत ई–बुक को उपयोगी बनाने में जिन विशेषज्ञों तथा सहकर्मियों का हमें सहयोग मिला, उनके प्रति हम कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

अन्ततः सतर्क प्रयासों के बावजूद पुस्तक में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सुधी पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित है।

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

क्र.सं.	विषय विवरण	पृ.सं.
1	राजस्थान के प्रमुख संत एवं सम्प्रदाय	5
2	राजस्थान के प्रमुख लोक देवता	9
3	राजस्थान की प्रमुख लोक देवियाँ	13
4	राजस्थान के प्रमुख मंदिर	14
5	राजस्थान के प्रमुख उत्सव, त्यौहार एवं विविध पूजन	15
6	राजस्थान के प्रमुख मेले	18
7	राजस्थान के प्रमुख आभूषण एवं वेशभूषा	19
8	राजस्थान के प्रमुख रीति रिवाज	22
9	राजस्थान के संगीत एवं प्रसिद्ध लोक गीत	23
10	राजस्थान के प्रसिद्ध लोक नृत्य, लोक नाट्य एवं ख्याल	24
11	राजस्थान के प्रमुख लोक वाद्य यंत्र	26
12	राजस्थान की चित्रकला	28
13	राजस्थान की लोक कलाएँ	29
14	राजस्थान के दुर्ग, महल, हवेलियाँ एवं छतरियाँ	30
15	राजस्थान में जातियाँ एवं जनजातियाँ	32
16	राजस्थान में सामाजिक भेदभाव एवं प्रथाएँ	33
17	राजस्थान की प्रमुख भाषा एवं बोलियाँ	33

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

1.राजस्थान के प्रमुख संत एवं सम्प्रदाय

1. राजस्थान में भक्ति आंदोलन का श्रीगणेश करने का श्रेय किस संत को है ?
– संत धन्ना
2. संत धन्ना का जन्म एक जाट परिवार में कहाँ हुआ था ?
– धुवन गाँव (टोंक) में 1451 ई. में
3. धन्ना ने काशी (बनारस) जाकर किसे अपना गुरु बनाया ?
– रामानन्द को
4. राजस्थान में भक्ति आन्दोलन के प्रणेता संत धन्ना किस गुरु के प्रभाव से निर्गुण उपासक बने ?
– रामानन्द
5. ''गुरु भक्ति से ही मोक्ष सम्भव है'' किस गुरु का मत था ?
– संत धन्ना
6. ईश्वर प्राप्ति में किसके निर्देशन को संत पीपा ने आवश्यक बताया है ?
– गुरु के
7. संत पीपा किस जाति से थे ?
– खींची राजपूत
8. संत बनने से पूर्व पीपा कहाँ के शासक थे ?
– गागरौन (झालावाड़)
9. संत पीपा काशी (बनारस) जाकर किसके शिष्य बने थे ?
– रामानन्द के
10. रामानन्द ने अपने शिष्य पीपा को संत धन्ना की तरह ही भक्ति के संबंध में क्या आदेश दिया था ?
– गृहस्थ जीवन में रहते हुए भक्ति करने का
11. किस संत के निवेदन पर आचार्य रामानन्द अपने शिष्यों सहित द्वारिका यात्रा पर जाते हुए गागरौन (झालावाड़) पधारे थे ?
– संत पीपा
12. संत पीपा ने टोडा (टोंक) के किस शासक को अपना शिष्य बनाया ?
– शूरसेन
13. अनेक स्थानों की यात्रा कर वापस गागरौन लौटकर संत पीपा एक गुफा में रहने लगे जो किन नदियों के संगम पर स्थित थी ?
– आहू तथा कालीसिंध नदियों के संगम पर
14. संत पीपा का भव्य मंदिर कहाँ स्थित है, जहाँ प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को विशाल समागम का आयोजन होता है और जिसमें उनके अनुयायी दर्जी समाज के लोग विशेष रूप से सम्मिलित होते हैं ?
– समदड़ी गाँव (बाड़मेर)
15. हस्तलिखित ग्रंथ 'चितावनी' का सम्बन्ध किससे है ?
– संत पीपा से
16. संत पीपा किसका विरोध करते हुए ईश्वर उपासना पर जोर देते थे ?
– मूर्ति पूजा
17. ''ईश्वर की दृष्टि में सभी प्राणी समान है'' यह कथन किस संत का है ?
– संत पीपा
18. विश्नोई सम्प्रदाय के प्रवर्तक जाम्भोजी का जन्म 1451 ई. में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को कहाँ हुआ ?
– पीपासर (नागौर) में
19. संत जाम्भोजी का मूल नाम क्या था ?
– धनराज
20. संत जाम्भोजी के पिता का नाम था–
– पंवार वंशीय राजपूत लोहटजी
21. संत जाम्भोजी की माता का नाम था–
– हांसा देवी (हंसा देवी)
22. समराथल धोरा (बीकानेर) किस सम्प्रदाय का प्रधान तीर्थ है ?
– विश्नोई सम्प्रदाय
23. संत जाम्भोजी ने विश्नोई सम्प्रदाय को खेजड़ी वृक्ष के संरक्षण की अणख (शिक्षा) कहाँ पर दी थी ?
– सम्भराथल (बीकानेर)
24. जाम्भोजी ने गृह त्यागकर किस स्थान पर रहते हुए सत्संग तथा हरि–चर्चा में अपना समय व्यतीत किया ?
– सम्भराथल (बीकानेर)
25. 1485 ई. में जाम्भोजी ने किस स्थान पर विश्नोई सम्प्रदाय का प्रवर्तन किया ?
– सम्भराथल (बीकानेर)
26. जाम्भोजी के जीवन तथा विचारों पर आचरण करने वाले अनुयायी कहलाये–
– विश्नोई
27. जाम्भोजी ने अपने अनुयायियों को कितने सिद्धांतों का पालन करने का उपदेश दिया ?
– 29
28. संत जाम्भोजी ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया था ?
– साथरी (बीकानेर)
29. जीव कल्याण तथा वृक्षों की रक्षार्थ प्राणोत्सर्ग करना किस सम्प्रदाय का इतिहास रहा है ?
– विश्नोई सम्प्रदाय
30. विश्नोई जाति के लोग किस वृक्ष की पूजा करते है ?
– खेजड़ी (शमी)
31. पर्यावरण के प्रति लगाव होने के कारण किस संत को पर्यावरण वैज्ञानिक भी कहा जाता है ?
– जाम्भोजी
32. राजस्थान के प्रथम पर्यावरणविद् संत किसे माना जाता है ?
– संत जाम्भोजी
33. जम्भ संहिता, जम्भ सागर शब्दावली, विश्नोई धर्मप्रकाश एवं जम्भ सागर किनके द्वारा रचित ग्रंथ हैं ?
– जाम्भोजी
34. 1536 ई. में संत जाम्भोजी की मृत्यु कहाँ हुई थी ?
– लीलासर गाँव (जयपुर)
35. संत जाम्भोजी का समाधि स्थल है–
– मुकाम (बीकानेर जिले की नोखा तहसील में)
36. वर्ष में दो बार फाल्गुन और आश्विन की अमावस्या को किस स्थान पर जाम्भोजी का मेला लगता है ?
– मुकाम (बीकानेर जिले की नोखा तहसील में)

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

37. गुरु जम्भेश्वरजी को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
– संत जाम्भोजी
38. जसनाथी सम्प्रदाय की उत्पत्ति राजस्थान के किस रियासती राज्य में हुई ?
– कतरियासर (बीकानेर)
39. बीकानेर के शासक राव लूणकरणसिंह राठौड़ ने दिल्ली के किस शासक के कहने पर संत जसनाथजी को जीवित समाधि लेने के लिए 12 एकड़ भूभाग दिया था ?
– सिकन्दर लोदी
40. जसनाथी सम्प्रदाय को संरक्षण किस शासक ने दिया ?
– बीकानेर के शासक राव लूणकरणसिंह राठौड़
41. लोक मान्यता के अनुसार जसनाथजी ने किस स्थान पर 12 वर्षों तक कठोर तपस्या करते हुए सभी को जीवों पर दया करने का संदेष दिया ?
– गोरसमालिया (बीकानेर)
42. जसनाथजी ने किस तांत्रिक का घमण्ड चकनाचूर किया था ?
– लोह पांगल
43. जसनाथजी के चमत्कारों से प्रभावित होकर दिल्ली के किस सुल्तान ने उन्हें कतरियासर (बीकानेर) के पास भूमि प्रदान की थी ?
– सिकन्दर लोदी
44. 1500 ई. में जसनाथजी का राजस्थान के किस प्रसिद्ध संत से मिलन हुआ ?
– जाम्भोजी
45. जसनाथजी ने आश्विन शुक्ल सप्तमी को 1506 ई. में 24 वर्ष की अल्पायु में किस स्थान पर जीवित समाधि ली थी ?
– कतरियासर (बीकानेर)
46. कतरियासर (बीकानेर) में वर्ष में तीन बार क्रमषः आष्विन शुक्ल सप्तमी, माघ शुक्ल सप्तमी और चैत्र शुक्ल सप्तमी को विषाल मेले का आयोजन होता है. यह स्थान किस संत की कर्मस्थली एवं तपोभूमि रही है ?
– जसनाथजी
47. सिंभूधड़ा तथा कोंडा नामक ग्रंथों में किस संत के उपदेश संगहित है ?
– जसनाथजी
48. कौन संत हमीरजी जाणी जाट और रूपांदे के पौष्य पुत्र थे ?
– जसनाथजी
49. संत लालदासजी के पिता का नाम था–
– चांदमल
50. संत लालदासजी की माता का नाम था–
– समदां
51. संत लालदासजी ने किस गुरु से दीक्षित होकर उन्हीं की प्रेरणा से धोलीदूब छोड़कर बांधोली गाँव में सिंह शिला पहाडी पर कुटिया बनाकर रहने लगे ?
– तिजारा के फकीर मदन चिश्ती
52. लालदासी सम्प्रदाय के प्रवर्तक लालदासजी का जन्म 1504 ई. में श्रावण कृष्ण पंचमी को कहाँ हुआ था ?
– मेवात प्रदेश (अलवर) के धोलीदूब गाँव मे
53. मेवात क्षेत्र में फैली धार्मिक व सामाजिक कुरीतियों को दूर करने हेतु लालदासजी ने किस पर अधिक बल दिया ?
– नैतिक शुद्धता
54. मेव मुसलमान संत लालदासजी को किस नाम से जानते हैं ?
– पीर
55. संत लालदासजी का मुख्य काव्य ग्रंथ है–
– लालदास की चेतावनियाँ
56. लालदासजी की मृत्यु कहाँ हुई थी ?
– 1648 ई. को नगला में
57. लालदासजी की समाधि स्थल कहाँ है, जहाँ पर आश्विन मास की एकादशी व माघ पूर्णिमा को मेला लगता है ?
– शेरपुर (अलवर)
58. निरंजनी सम्प्रदाय के प्रवर्तक संत हरिदासजी का जन्म 1455 ई. में कहाँ हुआ था ?
– कापड़ोद गाँव (डीडवाना, जिला नागौर)
59. संत हरिदासजी का मूल नाम क्या था ?
– हरिसिंह सांखला
60. लूटमार करने वाले हरिसिंह सांखला का जीवन एक संन्यासी के उपदेशों से बदला तथा 1513 ई. में बोध (ज्ञान) प्राप्त होने पर उनका नाम हुआ–
– हरिदास
61. किस संत के आध्यात्मिक विचार मंत्र 'राजप्रकाश' और 'हरिपुरुष की वाणी' नामक ग्रंथों में है ?
– हरिदासजी
62. किस सम्प्रदाय में परमात्मा को 'अलख निरंजन' या 'हरि निरंजन' कहा जाता है ?
– निरंजनी सम्प्रदाय
63. निर्गुण भक्ति पर जोर देने तथा कुरीतियों का विरोध करने वाले संत हरिदासजी की मृत्यु कहाँ हुई ?
– डीडवाना में (1543 ई.)
64. राजस्थान का कबीर किस संत को कहते हैं ?
– दादूदयाल
65. संत दादूदयाल का जन्म 1544 ई. में फाल्गुन शुक्ल अष्टमी को कहाँ हुआ था ?
– अहमदाबाद (गुजरात)
66. संत बुड्ढ़न (वृद्धानन्द) से दीक्षा ग्रहण करके दादू 1568 ई. में कहाँ आकर रहने लगे ?
– सांभर
67. संत दादू ने किस स्थान से अपने उपदेश दिए ?
– सांभर
68. 1575 ई. में संत दादू अपने कितने शिष्यों के साथ आमेर गये और 14 वर्षों तक वहीं रहे ?
– 25
69. 1585 ई. में संत दादू किस मुगल सम्राट से भेंट करने हेतु फतेहपुर सीकरी गये ?
– अकबर

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

70. संत दादू तत्कालीन ढूंढाड़ और मारवाड़ राज्यों में यात्रा करते व उपदेश देते हुए 1602 ई. में किस स्थान पर आकर रहने लगे, जहाँ पर 1603 ई. में ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी को मृत्यु हो गई ?
– नरायणा गाँव (फुलेरा के पास)
71. संत दादू के पार्थिव शरीर को किस स्थान पर रखा गया जिसे दादू पंथी अत्यंत पवित मानते हैं ?
– दादूखोल (नरायणा, जिला–जयपुर)
72. संत दादू ने ब्रह्म, जीव, जगत और मोक्ष पर अपने उपदेष जिस सरल भाषा में दिए, को कहा जाता ?
– सधुक्कड़ी
73. संत कबीर की तरह ही सुधारवादी आचरण और मोक्ष के मूल्यों को मानने वाले व परमतत्व की तलाश करने वाले राजस्थान के संत थे–
– दादू
74. कर्मकाण्ड, जाति प्रथा, मूर्तिपूजा, रूढ़िवादिता आदि कुरीतियों का विरोध करने वाले संत दादू के उपदेष और विचार किन ग्रंथों में संग्रहित है ?
– दादूजी की वाणी तथा दादू रा दूहा
75. वह स्थान जहाँ संत दादूदयाल ने अपना अंतिम समय बिताया और वहीं जीवित समाधि ली–
– नरायणा(फुलेरा के पास, जिला–जयपुर)
76. संत दादूदयाल का जन्म कहाँ हुआ था ?
– अहमदाबाद (गुजरात)
77. संत दादूदयाल के गुरु कौन थे ?
–बुड्ढ़न (वृद्धानन्द)
78. राजस्थान का कबीर किस संत को कहा जाता है ?
– संत दादूदयाल
79. राजस्थान का वह संत कौन है जिसने फतेहपुर सीकरी में अकबर से भेंट की थी ?
– दादूदयाल
80. किस मुगल शासक ने दादूपंथी नागा सम्प्रदाय को राज्य संरक्षण प्रदान किया ?
– अकबर
81. उस संत का बताइए जो विवाह करने जा रहे थे तभी उनमें वैराग्य भाव जागा और संन्यासी हो गये तथा जीवनभर दूल्हे के भेष में ही रहे ?
– रज्जब दास जी
82. रज्जब दास जी किस संत के प्रसिद्ध शिष्य थे ?
– संत दादूदयाल के
83. संत गरीबदासजी किसके प्रसिद्ध शिष्य थे ?
– संत दादू के
84. संत मिस्किनदासजी किसके प्रसिद्ध शिष्य थे ?
– संत दादू के
85. संत सुन्दरदासजी किसके प्रसिद्ध शिष्य थे ?
– संत दादू के
86. संत बखनाजी किसके प्रसिद्ध शिषष्य थे ?
– संत दादू के
87. संत रज्जबजी किसके प्रसिद्ध शिष्य थे ?
– संत दादू के
88. संत माधोदासजी किसके प्रसिद्ध शिष्य थे ?
– संत दादू के
89. राजस्थान की राधा किसे कहा जाता है ?
– मीरा बाई को
90. कृष्ण भक्त कवयित्री व गायिका मीराबाई किस सदी के भारत के महान् संतों में से एक थी ?
– सोलहवीं सदी के
91. मीरा बाई का जन्म 1498 ई. में कहाँ हुआ था ?
– कुड़की गाँव (पाली)
92. मीरा बाई के पिता का क्या नाम था ?
– रतन सिंह (मेड़ता के राठौड़ राव दूदा के पुत्र)
93. मीरा बाई के पिता रतनसिंह कहाँ के जागीरदार थे ?
– बाजोली के
94. मीरा बाई का लालन–पालन कहाँ हुआ था ?
– मेड़ता में (दादाजी राव दूदा के यहाँ)
95. 1516 ई. में मीरा बाई का विवाह किसके साथ हुआ था ?
– राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र भोजराज के साथ
96. विवाह के कुछ वर्ष बाद ही मीरा बाई के पति भोजराज की मृत्यु हो जाने पर मीरा बाई किसकी भक्ति में अधिक तल्लीन रहने लगी ?
– भगवान श्रीकृष्ण (गिरधर गोपाल)
97. मीरा का साधु संतों में उठना–बैठना और उनके साथ भजन–कीर्तन करना किसे पसंद नहीं था ?
– देवर राणा विक्रमादित्य को
98. मीरा को जहर देकर व सर्प से कटवाकर मारने का प्रयत्न किसके द्वारा किया गया ?
– देवर राणा विक्रमादित्य
99. एक बारात में दुल्हे को देखकर मीरा द्वारा दादी से अपने दुल्हे के बारे में पूछने पर दादी ने किसे उसका दुल्हा बताया ?
– गिरधर गोपाल
100. कृष्ण भक्ति का विचार मीरा को किससे प्राप्त हुआ था ?
– अपनी दादी से
101. मीरा बाई की भक्ति में ज्ञान से अधिक किस पर अधिक बल दिया गया है ?
– भावना और श्रद्धा
102. मीरा बाई अपने अंतिम समय में कहाँ चली गई और वहाँ 1547 ई. में गिरधर गोपाल की मूर्ति में विलीन हो गई ?
– रणछोड़ मंदिर (गुजरात राज्य में द्वारिका के डाकोर नामक स्थान पर स्थित)
103. भगवान कृष्ण की अनन्य भक्त मीरा बाई के समान भक्त कवयित्री करमाबाई का सम्बन्ध किस जिले से है ?
– नागौर से
104. बुद्ध और मीराबाई के जीवन दर्शन में मुख्य साम्य है–
– संसार दुःखपूर्ण है
105. राजस्थान की दूसरी मीरा किसे कहा जाता है ?
– संत राना बाई को
106. संत राना बाई का जन्म 1504 ई. में एक जाट परिवार में वैशाख शुक्ल तृतीया को कहाँ हुआ ?
– मारवाड़ के हरनांवा गाँव (मकराना के पास) में

107. संत राना बाई के पिता का नाम था–
– रामगोपाल
108. संत राना बाई की माता का नाम था–
– गंगाबाई
109. कृष्ण भक्त संत राना बाई के गुरु थे–
– पालड़ी के संत चतुरदासजी
110. 1570 ई. में फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी को संत राना बाई ने किस स्थान पर जीवित समाधि ली ?
– हरनांवा गाँव (नागौर)
111. संत मावजी का जन्म 1714 ई. में कहाँ हुआ था ?
– साबला गाँव (डूंगरपुर)
112. संत मावजी ने अपने विचारों को स्थायी एवं साकार रूप देने के लिए किस सम्प्रदाय की स्थापना की ?
– निष्कलंक (पवित्र एवं पाप रहित) सम्प्रदाय
113. संत मावजी 12 वर्ष की अल्पायु में घर छोड़कर किन नदियों के संगम पर स्थित एक गुफा में तपस्या की ?
– माही और सोम नदी
114. 1784 ई. में माघ शुक्ल एकादशी को बोध (ज्ञान) प्राप्त होने पर इसी दिन संत मावजी ने किस धाम की स्थापना की थी ?
– बेणेश्वर धाम (वेण वृन्दावन)
115. डूंगरपुर जिले में स्थित बेणेश्वर धाम किन नदियों के संगम पर स्थित है ?
– सोम, जाखम और माही नदियों के
116. बेणेश्वर धाम (डूंगरपुर) में किस तिथि को विशाल मेला लगता है ?
– माघ शुक्ल पूर्णिमा को
117. संत मावजी द्वारा वाद–विवाद शैली में लिखे ग्रंथों को कहा जाता है–
– चौपडा
118. संत मावजी द्वारा वाद–विवाद शैली में लिखे ग्रंथ 'चौपड़ा' में छन्दों की संख्या कितनी है ?
– 72 लाख 96 हजार
119. संत मावजी द्वारा लिखे ग्रंथ 'चौपड़े' केवल किस त्यौहार के दिन ही बाहर निकाले जाते हैं ?
– दीपावली
120. किस संत को उनके अनुयायी विष्णु का दसवां अवतार 'कल्कि अवतार' मानते हैं ?
– संत मावजी
121. संत मावजी ने लसाड़ा के पटेल भक्त की दान–राशि से कहाँ से कागज मंगवाया और धौलागढ़ में एकान्तवास करके पाँच बड़े ग्रंथों की रचना की ?
– अहमदाबाद
122. 1719 ई. में जयपुर राज्य के सोडा गाँव में माघ शुक्ल चर्तुदशी को वैश्य कुल में बखतराम और देऊजी के यहाँ संत रामचरणजी का जन्म हुआ. इनका मूल नाम था–
– रामकिशन
123. 1751 ई. में मेवाड़ के दांतडा गाँव में किनसे दीक्षा प्राप्त करके रामकिशनजी संत रामचरण बन गए ?
– महाराज कृपारामजी
124. किस घटना को देखकर संत रामचरणजी का मन संसार से उचट गया और वे वैरागी बन गए ?
– 1758 ई. में गलताजी के मेले में साधुओं के धर्म के प्रतिकूल व्यवहार को देखकर
125. किस स्थान पर साधना करते हुए संत रामचरणजी ने निर्गुण भक्ति और सभी के प्रति प्रेम का उपदेश दिया ?
– भीलवाड़ा
126. मूर्तिपूजकों द्वारा परेशान किये जाने पर संत रामचरणजी कहाँ गये थे ?
– कुहाड़ा गाँव
127. संत रामचरणजी के आध्यात्मिक उपदेश किस ग्रंथ में संकलित है ?
– अणभैवाणी में
128. किस शासक ने संत रामचरणजी को रहने के लिए शाहपुरा में एक छतरी व एक मठ की स्थापना करवाई ?
– शाहपुरा नरेश रणसिंह ने
129. राम नाम स्मरण करते हुए संत रामचरणजी की मृत्यु 1798 ई. में कहाँ पर हुई थी ?
– शाहपुरा में
130. संत रामचरणजी द्वारा प्रवर्तित पंथ 'रामस्नेही सम्प्रदाय' की कितनी प्रधान शाखाएँ हैं–
– चार
131. संत रामचरणजी रामस्नेही सम्प्रदाय की किस शाखा के संस्थापक थे ?
– शाहपुरा शाखा
132. रामस्नेही सम्प्रदाय की रेण शाखा के संस्थापक थे–
– संत दरियावजी
133. रामस्नेही सम्प्रदाय की सिंहथल शाखा के संस्थापक थे–
– संत हरिरामदासजी
134. रामस्नेही सम्प्रदाय की खेड़ापा शाखा के संस्थापक थे–
– संत रामदासजी
135. 'फूलडोल महोत्सव' किस सम्प्रदाय की अपनी विशिष्टता है ?
– रामस्नेही सम्प्रदाय
136. रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना किसने की ?
– संत रामचरणदासजी
137. रामस्नेही सम्प्रदाय का प्रधान मठ कहाँ स्थित है ?
– शाहपुरा (भीलवाड़ा)
138. चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से पंचमी तक लगने वाला फूलडोल मेला कहाँ लगता है ?
– शाहपुरा (भीलवाड़ा)
139. शाहपुरा (भीलवाड़ा) में किस प्रसिद्ध मेले का आयोजन होता है ?
– फूलडोल मेला
140. चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से पंचमी तक लगने वाला फूलडोल मेला का संबंध किस सम्प्रदाय से है ?
– रामस्नेही सम्प्रदाय से
141. शाहपुरा (भीलवाड़ा) में किस सम्प्रदाय की पीठ स्थित है ?
– रामस्नेही सम्प्रदाय

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

142. सारंग संगीत किस सम्प्रदाय के लोगों द्वारा किया जाता है ?
– नाथ सम्प्रदाय
143. सारंग संगीत किस समय गाया जाता है ?
– दोपहर काल में
144. नाथ सम्प्रदाय के केन्द्रीय मठ की स्थापना किस स्थान पर हुई थी ?
– जोधपुर
145. नाथ सम्प्रदाय के केन्द्रीय मठ 'महामंदिर (जोधपुर)' की स्थापना करने वाले शासक जोधपुर नरेश महाराजा राजा मानसिंह के गुरु थे–
– गुरु आयसनाथ (नाथ सम्प्रदाय)
146. नाथ सम्प्रदाय के केन्द्रीय मठ 'महामंदिर (जोधपुर)' की स्थापना किस शासक द्वारा करवाई गई ?
– जोधपुर के महाराजा राजा मानसिंह
147. निम्बार्क सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ कहाँ स्थित है ?
– सलेमाबाद (अजमेर जिले में)
148. संत भूरी बाई का कार्यक्षेत्र था–
– मेवाड़ या सरदारगढ़ (उदयपुर)
149. संत भूरी बाई के पति का नाम था–
– फतेहलाल
150. किस महिला संत का अपने रोगी पति की सेवा करते–करते वैराग्य जागा और नूरा बाई नामक मुस्लिम योगिनी के सहयोग से देवगढ़ में वैराग्य धारण किया ?
– संत भूरी बाई
151. मेवाड़ में स्थित एकलिंगनाथजी का मंदिर किस सम्प्रदाय से संबंधित है ?
– लकुलिश सम्प्रदाय
152. राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित नाथद्वारा व कांकरोली में किस सम्प्रदाय की धार्मिक पीठ है ?
– बल्लभ सम्प्रदाय
153. 'संन्यासियों के सुल्तान' के उपनाम से किसे जाना जाता है ?
– हमीदुद्दीन नागौरी
154. दिल्ली सल्तनत की गद्दी पर बैठने वाले प्रत्येक सुल्तानों द्वारा हमीद–उद्दीन–नागौरी की दरगाह में सजदा किया जाता था जिसके कारण उन्हें कहा जाता था–
– सुल्तान–उल–तारकीन
155. हजरत ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स राजस्थान का सबसे बड़ा मुस्लिम मेला कहा जाता है जो इस्लामी हिजरी कैलेण्डर के अनुसार कब लगता है ?
– प्रथम रज्जब से नवीं रज्जब तक
156. नागौर किस सूफी संत की दरगाह के लिए प्रसिद्ध है ?
– हमीदुद्दीन नागौरी

2.राजस्थान के प्रमुख लोकदेवता

157. गायों की रक्षा हेतु अपने प्राण न्यौछावर करने वाले लोकदेवता गोगाजी, पाबूजी, तेजाजी, हड़बूजी एवं मेहाजी मांगलिया में से कौन पंचपीरों में नहीं गिने जाते हैं ?
– तेजाजी
158. राजस्थान के पंचपीर कौन हैं ?
– पाबूजी, हड़बूजी, रामदेवजी, गोगाजी एवं मेहाजी मांगलिया
159. लोकदेवता गोगाजी का जन्म कहाँ हुआ था ?
– ददरेवा (चूरू)
160. लोकदेवता गोगाजी के पिता का नाम है–
– चौहान वंश के शासक जेवर
161. लोकदेवता गोगाजी की माता का नाम है–
– बाछल
162. लोकदेवता गोगाजी की पत्नी का नाम था–
– कैलमदे (मेनल)
163. लोकदेवता गोगाजी का जन्म किसके वरदान से हुआ था ?
– गुरु गोरखनाथ
164. लोकदेवता गोगाजी का जन्म कहाँ हुआ था ?
– ददरेवा (चूरू)
165. लोकदेवता गोगाजी किस गुरु के परम षिष्य थे ?
– गुरु गोरखनाथ
166. लोकदेवता से सम्बन्धित स्थान गोगामेड़ी स्थित है–
– नोहर (हनुमानगढ़)
167. लोकदेवता गोगाजी से संबंधित स्थान गोगामेड़ी की बनावट मकबरेनुमा है जिसे किस मुस्लिम शासक के द्वारा बनवाया गया था ?
– फिरोजशाह तुगलक
168. गोगामेड़ी का वर्तमान स्वरूप किस शासक द्वारा दिया गया ?
– बीकानेर के शासक महाराज गंगासिंह
169. बिस्मिल्लाह शब्द लोकदेवता गोगाजी के सम्बद्ध किस स्थान पर अंकित है ?
– गोगामेड़ी के द्वार पर
170. जाहर पीर (जिंदा पीर) के नाम से किस लोकदेवता को पूजा जाता है ?
– गोगाजी
171. लोकदेवता गोगाजी की स्मृति में गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) एवं समस्त राजस्थान में किस तिथि को गोगानवमी के रूप में मनाया जाता है और मेला भरता है ?
– भाद्रपद कृष्ण नवमी
172. साँपों के देवता के रूप में किस लोकदेवता को पूजा जाता है ?
– गोगाजी
173. लोकदेवता गोगाजी की घोड़ी का रंग कैसा था ?
– नीला
174. पत्थर पर उत्कीर्ण सर्प मूर्तियुक्त पूजा स्थल जो गाँवों में प्रायः खेजड़ी के वृक्ष के नीचे होते हैं, किस लोकदेवता का पूजा स्थल होता है ?
– गोगाजी

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

175. अश्वारोही भाला लिये योद्धा के प्रतीक रूप में अथवा सर्प के प्रतीक के रूप में किस लोकदेवता को पूजा जाता है ?
– गोगाजी
176. किस लोकदेवता को गोरखनाथ एवं महमूद गजनवी के समकालीन माना जाता है ?
– गोगाजी
177. किस लोकदेवता के रण कौशल को देखकर किस महमूद गजनवी ने कहा था कि यह तो जाहर पीर है अर्थात साक्षात् देवता के समान प्रकट होता है''?
– गोगाजी
178. उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय के लोग लोकदेवता गोगाजी को किस रूप में पूजते हैं ?
– जाहर पीर
179. लोकदेवता गोगाजी की मूर्ति प्रायः किस वृक्ष के नीचे मिलती है ?
– खेजड़ी
180. किस लोकदेवता को 'जाहर पीर' कहकर पूजने से सर्प–दंश का विष प्रभावहीन हो जाता है ?
– गोगाजी
181. परबतसर (नागौर) किस लोक देवता का प्रमुख तीर्थ स्थल है ?
– तेजाजी
182. 1073 ई. में माघ शुक्ल चतुर्दशी को लोक देवता तेजाजी (वीर तेजाजी) का जन्म कहाँ हुआ था ?
– खड़नाल (नागौर)
183. लोक देवता तेजाजी के पिता का नाम था–
– ताहड़जी (नागवंशीय जाट के धौल्या गौत्र)
184. लोक देवता तेजाजी की माता का नाम था–
– राजकुंवरी
185. लोक देवता तेजाजी का विवाह किसके साथ हुआ था ?
– रामचन्द्र जाट की पुत्र पेमल के साथ
186. लोक देवता तेजाजी की घोड़ी का नाम था–
– लीलण
187. साँप के जहर के तोड़ के रूप में गौ मूत्र और गोबर की राख की शुरूआत करने वाले लोक देवता थे–
– तेजाजी
188. राजस्थान के एकमात्र लोकदेवता जिन्हें सर्वाधिक ससुराल प्रदेश में पूजा जाता है–
– तेजाजी
189. किस लोक देवता को काला और बाला का देवता, साँपों का देवता, धोलियावीर, गायों का मुक्तिदाता तथा कृषि कार्यों का उपकारक देवता कहा जाता है ?
– तेजाजी
190. किस लोक देवता को भगवान शिव का ग्यारहवां अवतार माना जाता है ?
– तेजाजी
191. किस लोक देवता को राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश व हरियाणा आदि राज्यों में देवता के रूप में पूजा जाता है ?
– तेजाजी
192. वीर तेजाजी पशु मेला कहाँ आयोजित होता है ?
– परबतसर (नागौर)
193. वीर तेजाजी ने अपने ससुराल पनेर में अपनी पत्नी पेमल की सहेली लाछा गुर्जरी की गायों को किनसे मुक्त करवाया था ?
– मेर मीणाओं से
194. सर्प–दंश के कारण भाद्रपद शुक्ल दशमी को किस स्थान पर लोक देवता तेजाजी की मृत्यु हुई थी ?
– सुरसुरा (किशनगढ़)
195. तेजा दशमी (भाद्रपद शुक्ल दशमी) को पंचमी से पूर्णिमा तक किस स्थान पर विशाल पशु मेला लगता है ?
– परबतसर (नागौर)
196. वीर तेजाजी का मेला कब लगता है ?
– भाद्रपद शुक्ल पक्ष की दशमी
197. लोकदेवता तेजाजी भी किस अन्य लोकदेवता की ही तरह नागों के देवता के रूप में पूजनीय है ?
– गोगाजी
198. अपनी जिहवा को सर्प से डसाते हुए एवं तलवार धारण किये घोड़े पर सवार योद्धा के प्रतीक स्वरूप किस लोकदेवता को पूजा जाता है ?
– तेजाजी
199. एक मान्यता के अनुसार किस लोकदेवता की तांत (डोरी) सर्प–दंशित व्यक्ति के दायें पैर में बांध दी जाये तो उसे विष नहीं चढ़ता ?
– तेजाजी
200. पाबूजी का जन्म धांधलजी राठौड़ के यहाँ 1239 ई. में किस स्थान पर हुआ था ?
– कोलू (फलौदी)
201. इतिहासकार मुहणौत नैणसी, महाकवि मोड़जी आशिया तथा लोगों में प्रचलित मान्यता के अनुसार पाबूजी का जन्म अप्सरा के गर्भ से किस स्थान पर हुआ माना जाता है ?
– जूना गाँव (बाड़मेर)
202. पाबूजी का विवाह किसके साथ हुआ था ?
– अमरकोट के सूरजमल सोढ़ा की पुत्री सोढ़ी के साथ
203. पाबूजी ने देवल चारणी की गायों को मुक्त करवाने लिए अपने विवाह के दौरान चौथे फेरे लेने से पूर्व ही किससे युद्ध करने चले गये और गायों को मुक्त करवाया ?
– जायल (नागौर) नरेश व बहनोई जींदराव खींची
204. 1276 ई. में किस युद्ध के दौरान पाबूजी वीरगति को प्राप्त हुए ?
– देवल चारणी की गायों को मुक्त कराने के लिए अपने बहनोई जींदराव खींची से युद्ध के दौरान
205. लोकदेवता पाबूजी का मुख्य पूजा स्थल है–
– कोलू (फलौदी)
206. पाबूजी की स्मृति में प्रतिवर्ष कहाँ मेला लगता है ?
– कोलू (फलौदी)
207. लोकदेवता पाबूजी किस प्रतीक चिन्ह के रूप में प्रचलित है और इसी रूप में इन्हें पूजा जाता है ?
– हाथ में भाला लिए अश्वारोही के रूप में

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

208. किस लोक देवता की पूजा ऊँटों के देवता के रूप में की जाती है ?
– पाबूजी
209. मारवाड़ में सर्वप्रथम ऊँट लाने का श्रेय किस लोकदेवता को है ?
– पाबूजी
210. ऊँटों का रक्षक देवता किसे कहा जाता है ?
– पाबूजी
211. राजस्थान में ऊँट के बीमार होने पर किस देवता की पूजा की जाती है ?
– पाबूजी
212. ऊँटों के स्वस्थ होने पर भोपे–भोपियों द्वारा किस लोकदेवता की फड़ गाई जाती है ?
– पाबूजी की फड़
213. लोकदेवता पाबूजी की फड़ बाँचते समय किस वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है ?
– रावणहत्था
214. लोकदेवता पाबूजी की फड़ प्रायः किस समय बाँची जाती है ?
– रात्रि में
215. किस लोकदेवता की फड़ सबसे अधिक लोकप्रिय है ?
– पाबूजी
216. ग्रामीण जनमानस में किस लोकदेवता को लक्ष्मण का अवतार माना जाता है ?
– पाबूजी
217. लोकदेवता देवनारायणजी के पिता का नाम है–
– बगड़ावत प्रमुख भोजा
218. लोकदेवता देवनारायणजी की माता का नाम है–
– सेढू गुर्जर
219. लोकदेवता देवनारायणजी का विवाह किसके साथ हुआ था ?
– जयसिंह देव परमार की पुत्री पीपलदे के साथ
220. लोकदेवता देवनारायणजी का मुख्य पूजा स्थल कौनसा है, जहाँ भाद्रपद शुक्ल सप्तमी को मेला लगता है ?
– आसींद (भीलवाड़ा)
221. लोकदेवता देवनारायणजी के अनुयायी मुख्यतः किस जाति के हैं ?
– गुर्जर
222. 'बगड़ावत गायन द्वारा किस लोकदेवता का यशोगान किया जाता है ?
– देवनारायणजी
223. लोकदेवता मल्लीनाथजी मारवाड़ के किस शासक के पुत्र थे ?
– रावल सलखाँ
224. मल्लीनाथजी की माता का नाम था–
– जाणीदे (जीणन्दे)
225. 1378 ई. में मल्लीनाथजी ने मालवा के सूबेदार निजामुद्दीन की सेना को परास्त किया जो किस मुस्लिम शासक का सूबेदार था ?
– फिरोजशाह तुगलक
226. मल्लीनाथजी अपने चाचा कान्हड़देव की मृत्यु के बाद कहाँ के शासक बने ?
– महेवा
227. मल्लीनाथजी किसकी प्रेरणा से 1389 ई. में उगमसी भाटी के षिष्य बने और योग–साधना की दीक्षा प्राप्त की ?
– अपनी रानी रूपांदे की प्रेरणा से
228. किस लोकदेवता ने मारवाड़ के सारे संतों को एकत्र करके 1399 ई. में एक वृहत् हरि–कर्तन आयोजित करवाया ?
– मल्लीनाथजी ने
229. लोकदेवता मल्लीनाथजी की मृत्यु कब हुई ?
– 1399 ई. में चैत्र शुक्ल द्वितीया को
230. प्रतिवर्ष चैत्र कृष्ण एकादशी से चैत्र शुक्ल एकादशी तक मल्लीनाथजी का विशाल पशु मेला कहाँ लगता है ?
– तिलवाड़ा गाँव (बाड़मेर) में
231. जोधपुर के पश्चिमी परगने का नामकरण 'मालानी' किस लोकदेवता के नाम पर किया गया था और जिनकी आज भी मालानी (बाड़मेर) में अत्यधिक मान्यता है ?
– मल्लीनाथजी
232. हाथ का हुजूर व जागती जोत के नाम से किस लोकदेवता को जाना जाता है ?
– मल्लीनाथजी
233. भील जाति के लोग किस लोकदेवता को दिव्य आत्मा का पुंज मानते हैं ?
– मल्लीनाथजी
234. लोकदेवता मल्लीनाथजी का मंदिर स्थित है–
– लूनी नदी के तटवर्ती गाँव तिलवाड़ा (बाड़मेर) में
235. तंवर वंशीय अजमालजी और मैणादे के पुत्र रामदेवजी का जन्म कहाँ हुआ था ?
– ऊँडूकासमेर गाँव (बाड़मेर)
236. बाबा रामदेवजी को किस अन्य लोकदेवता के समकालीन माना जाता है ?
– तिलवाड़ा गाँव (बाड़मेर)
237. रामदेवजी ने पोकरण क्षेत्र किससे प्राप्त किया और वहाँ के भैरव नामक क्रूर व्यक्ति का अंत किया ?
– मल्लीनाथजी से
238. बाबा रामदेवजी का विवाह किसके साथ हुआ था ?
– अमरकोट के दलजी सोढ़ा की पुत्री नेतलदे से
239. बाबा रामदेवजी ने अपनी भतीजी को पोकरण दहेज में देने के बाद कौनसा गाँव बसाया और वहीं 1458 ई. में भाद्रपद शुक्ल एकादशी को जीवित समाधि ले ली ?
– रामदेवरा (रुणेचा/रुणिचा), जैसलमेर जिले में
240. भाद्रपद शुक्ल द्वितीया को जैसलमेर जिले में स्थित रामदेवरा (रुणिचा) में लगने वाला विशाल मेले की मुख्य विशेषता है–
– साम्प्रदायिक सद्भाव
241. हिन्दू बाबा रामदेवजी को किस भगवान के अवतार के रूप में आराधना करते हैं ?
– भगवान श्रीकृष्ण

242. मुसलमान रामदेवजी को किस रूप में पूजते हैं ?
– रामसा पीर
243. बाबा रामदेवजी द्वारा किस पंथ की स्थापना की गई थी ?
– कामड़िया पंथ
244. वह लोकदेवता, जो वीर होने के साथ–साथ समाज सुधारक भी थे और जिन्होंने जाति प्रथा, मूर्ति पूजा और तीर्थयात्रा का विरोध किया, हैं–
– बाबा रामदेवजी
245. रामदेवजी के मंदिरों में फहराने वाली पाँच रंगों से युक्त ध्वजा को कहा जाता है–
– नैजा
246. राजस्थान के लोक साहित्य में सर्वाधिक लम्बा गीत किस लोकदेवता का है ?
– बाबा रामदेव
247. किस पंथ के अनुयायियों द्वारा रामदेवजी के मेले में तेरहताली नृत्य किया जाता है ?
– कामड़िया पंथ
248. राजस्थान के पंच पीरों में गिने जाने वाले लोकदेवता मेहाजी मांगलिया का जन्म पंवार क्षत्रिय परिवार में हुआ किन्तु पालन–पोषण हुआ था–
– ननिहाल में मांगलिया गोत्र में
249. लोकदेवता मेहाजी मांगलिया किस शासक से युद्ध करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए ?
– जैसलमेर के राव राणगदेव भाटी

250. राव चूण्डा के समकालीन लोकदेवता थे–
– मेहाजी मांगलिया
251. भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को लोकदेवता मेहाजी मांगलिया का मेला कहाँ भरता है ?
– बापणी गाँव (जोधपुर) में स्थित मंदिर में
252. लोकदेवता हरभूजी किसके पुत्र थे ?
– भूंडेल (नागौर) के महाराज सांखला के पुत्र
253. राव जोधा के समकालीन लोकदेवता थे–
– हरभूजी
254. हरभूजी अपने पिता की मृत्यु के बाद भूंडेल छोड़कर कहाँ रहने लगे ?
– हरभमजाल
255. हरभूजी ने किसकी प्रेरणा से अस्त्र–षस्त्र त्यागकर उनके गुरु बालीनाथजी से दीक्षा कहाँ ली थी ?
– रामदेवजी
256. मेवाड़ के अधिकार से मण्डोर को मुक्त कराने के प्रयासों के दौरान हरभूजी द्वारा राव जोधा को आशीष के साथ एक कटार भी दी जिसके पश्चात् सफलता हासिल होने पर राव जोधा ने हरभूजी को कौनसा गाँव प्रदान किया ?
– बेंगटी (फलौदी)
257. लोकदेवता हरभूजी का मंदिर स्थित है–
– बेंगटी (फलौदी)
258. राजस्थानी संस्कृति में भौमियाँ कौन है ?
– स्थानीय देवता
259. 'भूरिया बाबा' किस जाति के आराध्य देवता हैं ?
– मीणा
260. किस जाति के लोग भूरिया बाबा की शपथ लेकर हाकम जी का प्याला पीते हैं ?
– मीणा
261. केसरियानाथजी, ऋषभदेवजी व आदिनाथजी मेवाड़ के मगरा क्षेत्र में कहे जाते हैं–
– कालाजी

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

3.राजस्थान की लोकदेवियाँ

262. सोनगरा (जालोर) चौहानों की आराध्य देवी है–
– सुंधा माता
263. ढाई प्याले शराब का सेवन करने वाली देवी है–
– जीण माता
264. जीण माता का मूल नाम क्या था ?
– जयवन्ती बाई
265. जन्म के आधार पर जीण माता का सम्बन्ध किस जिले से है ?
– घांघू गाँव (चूरू)
266. किस मुगल शासक ने जीण माता के मंदिर को तुड़वाने का प्रयास किया किन्तु असफल रहा और माता की प्रति उसकी श्रद्धा बढ़ गई ?
– औरंगजेब
267. करणी माता को किस राजपूत वंश की कुलदेवी माना जाता है ?
– राठौड़ वंश
268. बीकानेर रियासत की कुल देवी थी ?
– करणी माता (देशनोक, बीकानेर)
269. विश्व में एकमात्र चूहों वाली देवी है–
– करणी माता (देशनोक, बीकानेर)
270. 'चूहों का मंदिर' नाम से प्रसिद्ध करणी माता का मंदिर कहाँ स्थित है ?
– देशनोक (बीकानेर)
271. जोधपुर के राठौड़ों की देवी, जिसकी 18 भुजाएँ हैं–
– नागणेची माता
272. जोधपुर के राठौड़ों की कुलदेवी नागणेची माता का मंदिर कहाँ स्थित है ?
– जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग में
273. राव जोधा की आराध्य देवी थी–
– नागणेची माता (जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग में)
274. प्रमुख शक्तिपीठों में से एक राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले में स्थित 'त्रिपुर सुन्दरी' मंदिर की माता को स्थानीय लोग किस नाम से जानते हैं ?
– तुरतायी माता
275. जैसलमेर के भाटी राजपूत शासकों की कुलदेवी है–
– आवाड़ माता
276. शाकम्भरी देवी किस राजवंश की कुलदेवी है ?
– चौहान वंश
277. राजस्थान के भरतपुर शहर में स्थित गंगा मंदिर में गंगा माता की मूर्ति महाराजा बलवंत सिंह के किस उत्तराधिकारी ने स्थापित की थी ?
– बृजेन्द्र सिंह
278. राजस्थान के लोक साहित्य में सर्वाधिक लम्बा गीत किस देवी का है ?
– जीण माता
279. आशापुरा माता किस राजवंश की कुलदेवी है ?
– चौहान वंश
280. किस देवी की सवारी प्रायः बकरी को माना जाता है ?
– चौथ माता
281. राजस्थान में सती हुई रूपकंवर कहाँ की निवासी है ?
– महणसर (झुंझुनूं)
282. राजस्थान की अभिधात्री किस देवी को कहा जाता है ?
– घेवर माता

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

4.राजस्थान के प्रमुख मंदिर

283. प्राचीन तान्त्रिक शक्ति पीठ सुंधा माता का मंदिर कहाँ स्थित है ?
– जालोर में
284. जीण माता का मंदिर कहाँ स्थित है ?
– रैवासा (सीकर)
285. जीण माता का मंदिर किस शासक द्वारा बनवाया गया ?
– चौहान वंश के शासक मोहिल द्वारा
286. राजस्थान में एक देवी मंदिर, जहाँ चूहे बहुत अधिक मात्रा में निवास करते हैं, का नाम है–
– करणी माता का मंदिर (देशनोक, बीकानेर)
287. करणी माता का मंदिर कहाँ स्थित है ?
– देशनोक (बीकानेर)
288. करणी माता का मंदिर (देशनोक, जैसलमेर) किस शासक ने बनवाया था ?
– राव बीका
289. राजस्थान में 'त्रिपुर सुन्दरी' का मन्दिर स्थित है–
– तलवाड़ा (बाँसवाड़ा)
290. किसकी स्मृति में राजा मानसिंह ने पटरानी रानी कंकावती के कहने पर आमेर में जगत् शिरोमणि मंदिर का निर्माण करवाया ?
– पुत्र राजा जगतसिंह की स्मृति में
291. राजा मानसिंह द्वारा आमेर में बनवाया गया जगत् शिरोमणि मंदिर को प्रायः अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
– मीरा मंदिर
292. पाली जिले में स्थित रणकपुर जैन मंदिर किस नदी के किनारे स्थित है ?
– मंथाई नदी
293. रणकपुर जैन मंदिर (पाली) में कितने खम्भे हैं ?
– 1444
294. रणकपुर जैन मंदिर किस तीर्थंकर को समर्पित है ?
– प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ
295. राजस्थान का खजुराहो किसे कहा जाता है ?
– किराडु मंदिर (बाड़मेर)
296. रणकपुर जैन मंदिर का निर्माण राणा कुम्भा के मंत्री जैन श्रावक धरणाकशाह ने किस शिल्पकार के सहयोग से प्रारम्भ करवाया और शिल्पी देपा के काल में पूर्ण हुआ ?
– शिल्पी मण्डन
297. राजस्थान का मिनी खजुराहो किसे जाता है ?
– जगत मंदिर (उदयपुर)
298. ओसियाँ (जोधपुर) में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी को समर्पित जैन मंदिर का निर्माण किस शासक द्वारा करवाया गया ?
– प्रतिहार वंश के शासक वत्सराज
299. प्रतिहार शासक वत्सराज द्वारा बनवाया गया ओसियाँ (जोधपुर) के जैन मंदिर में महावीर स्वामी मूर्ति किस धातु की बनी है ?
– अष्टधातु
300. जोधपुर के निकट ओसियां में मंदिरों का समूह किस राजवंश की देन है ?
– प्रतिहार
301. राजस्थान के भरतपुर शहर में स्थित गंगा मंदिर के निर्माण में कितने वर्ष लगे थे ?
– 90 वर्ष
302. मेवाड़ में स्थित एकलिंगनाथजी का मंदिर किस सम्प्रदाय से संबंधित है ?
– लकुलिश सम्प्रदाय
303. एकलिंगनाथजी के मंदिर का निर्माण किसने करवाया ?
– मेवाड़ के शासक बप्पा रावल
304. एकलिंगनाथजी का मंदिर किस जिले में स्थित है ?
– उदयपुर
305. शाकम्भरी देवी का प्राचीन मंदिर कहाँ स्थित है ?
– चन्द्रभागा नदी पर, झालरापाटन (झालावाड़) में
306. राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित किराडु का सोमेश्वर मंदिर किस शैली का बना हुआ है ?
– गुर्जर प्रतिहार शैली
307. किराडु के सोमेश्वर मंदिर (बाड़मेर) को संरक्षण देने वाले गुर्जर प्रतिहार शासक थे–
– नागभट्ट प्रथम
308. 'राजस्थान का खजुराहो' किस मंदिर को कहा जाता ?
– किराडु के जैन मंदिर (बाड़मेर)
309. रणकपुर का जैन मंदिर (पाली) किस तीर्थंकर को समर्पित है ?
– प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव (आदिनाथ)
310. राजस्थान में स्थित किस जैन मंदिर को त्रिलोक दीप स्तम्भ के नाम से भी जाना जाता है ?
– रणकपुर जैन मंदिर (पाली)
311. कुशालमाता का भव्य मंदिर जिसका निर्माण महाराणा कुम्भा ने करवाया था, स्थित है–
– बदनोर (भीलवाड़ा)
312. जैसलमेर के भाटी राजपूत शासकों की आराध्य देवी 'हिंगलाज माता' का मंदिर स्थित है–
– जैसलमेर दुर्ग में
313. राजस्थान के किस शहर में गंगा माता का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है ?
– भरतपुर
314. राजस्थान के भरतपुर शहर में स्थित गंगा मंदिर का निर्माण किस रंग के पत्थरों से किया गया ?
– लाल पत्थर
315. राजस्थान के भरतपुर शहर में स्थित गंगा मंदिर का निर्माण कार्य किस शासक ने प्रारम्भ करवाया ?
– महाराज बलवंत सिंह
316. करौली जिले में स्थित कैला देवी का विश्व प्रसिद्ध मंदिर किसके द्वारा बनवाया गया था ?
– यदुवंशी शासक गोपाल सिंह
317. राजस्थान का खजुराहो किसे कहा जाता है ?
– किराडु के जैन मंदिर (बाड़मेर)
318. किस मंदिर में बोहरा समाज की छतरियाँ है ?
– कैला देवी मंदिर

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

319. देलवाड़ा का मंदिर (सिरोही) किस स्थापत्य कला का उदाहरण है ?
– जैन स्थापत्य कला
320. राजस्थान में रंगनाथजी का मंदिर कहाँ है ?
– पुष्कर (अजमेर)
321. ब्रह्मा मंदिर कहाँ स्थित है ?
– अजमेर में
322. घेवर माता का मंदिर किस झील के किनारे स्थित है ?
– राजसमंद झील
323. घेवर माता का मंदिर किस शासक के काल में बनवाया गया ?
– महाराणा राजसिंह
324. आबू के किस मंदिर में पार्श्वनाथ की प्रतिमा स्थापित है ?
– चौमुखा मंदिर
325. राजस्थान में माउंट आबू स्थित दिलवाड़ा मंदिर किसके लिए विख्यात है ?
– जैन मंदिर में कला के लिए
326. नागदा में सास–बहू का मंदिर (सहस्त्रबाहु) किसने बनवाया ?
– महाराणा कुम्भा
327. तनोट देवी का मंदिर कहाँ स्थित है ?
– जैसलमेर
328. चित्तौड़गढ़ में अद्‌भूतजी मंदिर का निर्माण किस शासक के समय में हुआ था ?
– महाराणा रायमल (महाराणा सांगा के पिता)
329. गुरूद्वारा बुढ़ाजोहड़ किस जिले में स्थित है ?
– श्रीगंगानगर
330. महाराणा राजसिंह अपनी रानी चारूमती की प्रेरणा से प्रभावित होकर किस स्थान से द्वारिकाधीश की मूर्ति 1671 ई. में लेकर आये तथा इन्हें क्रमशः नाथद्वारा एवं कांकरोली में स्थापित करवाई ?
– वृन्दावन
331. प्राचीन जैन तीर्थ नाकोड़ा किस जिले में स्थित है ?
– बाड़मेर
332. बाड़ौली का शिव मंदिर किसने बनवाया ?
– महाराणा कुंभा ने
333. दिलवाड़ा मंदिर कहाँ स्थित है ?
– माउण्ट आबू (सिरोही)
334. दिलवाड़ा स्थित आदिनाथ मंदिर का निर्माण किसने करवाया था ?
– विमलशाह
335. राणी सती का मंदिर किस जिले में स्थित है ?
– झुंझुनूं

5.राजस्थान के प्रमुख उत्सव, त्यौहार एवं विविध पूजन

336. बसंत पंचमी कब मनायी जाती है ?
– माघ शुक्ल पंचमी
337. फुलेरा दूज किस तिथि को आती है ?
– फाल्गुन शुक्ल द्वितीया
338. होली का त्यौहार कब मनाया जाता है ?
– फाल्गुन पूर्णिमा
339. अजमेर जिले का कौनसा स्थान कोड़ामार होली उत्सव हेतु प्रसिद्ध है ?
– भिनाय
340. धुलण्डी कब मनायी जाती है ?
– चैत्र कृष्ण प्रतिपदा
341. शीतलाष्टमी कब मनायी जाती है ?
– चैत्र कृष्ण अष्टमी
342. शीतलाष्टमी के दिन मारवाड़ में मनाया जाने वाला त्यौहार है–
– घुड़ले का त्यौहार
343. नवरात्रा पर्व साल में दो बार कब–कब मनाया जाता है ?
– चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमीं तथा आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से नवमीं
344. सिक्ख गुरु गोविन्द सिंह द्वारा खालसा पंथ की स्थापना की स्मृति में मनाया जाने वाला त्यौहार है–
– वैशाखी का त्यौहार
345. वर्ष प्रतिपदा मनाया जाता है–
– चैत्र शुक्ल एकम
346. हिन्दू धर्म की मान्यता अनुसार नव संवत्सर (नववर्ष) किस तिथि से प्रारम्भ माना जाता है ?
– चैत्र शुक्ल प्रतिपदा
347. भगवान शिव व पार्वती के अटूट प्रेम का प्रतीक गणगौर का त्यौहार कब मनाया जाता है ?
– चैत्र शुक्ल तृतीया
348. राजस्थान में प्रत्येक वर्ष गणगौर पूजन उत्सव की तिथि है–
– चैत्र शुक्ल तृतीया
349. गणगौर का पूज्य प्रतीक है–
– मृण्मूर्ति या काष्ठ मूर्ति
350. धींगा गणगौर किस शहर की प्रसिद्ध है ?
– उदयपुर
351. रामनवमी कब मनायी जाती है ?
– चैत्र शुक्ल नवमी
352. महावीर जयंती चैत्र शुक्ला तेरस को मनायी जाती है क्योंकि इस दिन–
– महावीर स्वामी का जन्म हुआ था
353. आखा तीज (अक्षय तृतीया) कब मनायी जाती है ?
– वैशाख शुक्ल तृतीया
354. अक्षय तृतीया को किस भगवान की जयन्ती मनायी जाती है ?
– भगवान परशुराम जयन्ती
355. राजस्थान में सबसे अधिक बाल विवाह किस अबूझ सावे में किया जाता है ?
– आखा तीज (अक्षय तृतीया)

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

356. राजस्थान में जन्माष्टमी, फुलेरा दूज, बसन्त पंचमी और आखा तीज (अक्षय तृतीया) के अवसर पर होने वाले विवाह के लिए किसी मूहर्त निकालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है जिसके कारण इन्हें कहा जाता है–
– अबूझ सावे
357. पीपल पूर्णिमा किस तिथि को आती है ?
– ज्येष्ठ पूर्णिमा
358. ज्येष्ठ शुक्ला एकादशी को किया जाने वाले किस व्रत को पाँडव द्वादशी भी कहते हैं ?
– निर्जला एकादशी
359. देवशयनी एकादशी, जिसे हरि प्रबोधनी एकादशी भी कहते हैं, किस तिथि को मनाया जाती है ?
– आषाढ़ शुक्ल एकादशी
360. गुरु पूर्णिमा, जिसे शिव का शयनोत्सव तथा कोकिला व्रत पूर्णिमा भी कहते हैं, कब आती है ?
– आषाढ़ पूर्णिमा
361. श्रावण अमावस्या को मनाया जाने वाला हरियाली अमावस्या त्यौहार को किस व्रत के नाम से भी जाना जाता है ?
– पिट्ठोरी व्रत
362. हरियाली अमावस्या कब मनायी जाती है ?
– श्रावण अमावस्या
363. छोटी तीज कब मनायी जाती है ?
– श्रावण शुक्ल तृतीया
364. राजस्थान में त्यौहारों का आगमन किस त्यौहार से माना जाता है ?
– श्रावण तीज
365. सुहाग पिटारी एवं नवग्रह किस त्यौहार का प्रतीक है ?
– छोटी तीज
366. राजस्थान में त्यौहारों का समापन किस त्यौहार से माना जाता है ?
– गणगौर
367. श्रावण शुक्ला पंचमी को मनाया जाने वाला नाग पंचमी का त्यौहार मारवाड़ में कब मनाया जाता है ?
– भाद्रपद कृष्ण पंचमी
368. रक्षा बंधन का त्यौहार कब मनाया जाता है ?
– श्रावण पूर्णिमा
369. नारियल पूर्णिमा किस त्यौहार के दिन मनाया जाता है ?
– रक्षा बंधन
370. सप्तऋषि व मांडने का पूजन किस त्यौहार का पूज्य प्रतीक है ?
– रक्षा बंधन
371. राजस्थान में बड़ी तीज मनायी जाती है–
– भाद्रपद कृष्ण तृतीया
372. बड़ी तीज या कजली तीज किस तिथि को मनायी जाती है ?
– भाद्रपद कृष्ण तृतीया
373. बड़ी तीज का त्यौहार मारवाड़ में किस नाम से प्रसिद्ध है ?
– सातुड़ी तीज
374. किस दिन चन्द्रमा और उसकी पत्नी रोहिणी की पूजा की जाती है ?
– बड़ी तीज (भाद्रपद कृष्णा तृतीया)
375. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कब मनायी जाती है ?
– भाद्रपद कृष्ण अष्टमी
376. किस व्रत को प्रेत–योनि से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है ?
– श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
377. जन्माष्टमी पूजन किस तिथि को किया जाता है ?
– भाद्रपद कृष्ण अष्टमी
378. गोगानवमी कब मनायी जाती है ?
– भाद्रपद कृष्ण नवमी
379. राधा का जन्मोत्सव के पर्व पर अजमेर स्थित सलेमाबाद की निम्बार्क पीठ में मेला आयोजित किया जाता है. राधाष्टमी (राधा का जन्मोत्सव) किस तिथि को आती है ?
–भाद्रपद शुक्ल अष्टमी
380. गणेश चतुर्थी किस तिथि को मनायी जाती है ?
– भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी
381. जलझूलनी एकादशी, जिसे देवझूलनी ग्यारस या विष्णु परिवर्तनोत्सव भी कहा जाता है, किस तिथि को मनायी जाती है ?
– भाद्रपद शुक्ल एकादशी
382. अनन्त चतुर्दशी कब मनायी जाती है ?
– भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी
383. हिन्दू धर्म मान्यता अनुसार श्राद्ध पक्ष कब से कब तक मानते हैं ?
– आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से अमावस्या तक
384. दुर्गाष्टमी कब मनायी जाती है ?
– आश्विन शुक्ल अष्टमी
385. नवरात्र की चतुर्थी को मेवाड़ में क्या कहा जाता है ?
– भलका चौथ
386. दशहरे के दिन खेजड़ी (शमी) के वृक्ष की पूजा की जाती है और यदि खेजड़ी नहीं मिले तो किस वृक्ष की पूजा भी की जा सकती है ?
– अश्मंतक (आपटा)
387. दशहरा (विजयादशमी) का त्यौहार कब मनाया जाता है ?
– आश्विन शुक्ल दशमी
388. खेजड़ी (शमी) वृक्ष की पूजा किस पर्व पर की जाती है ?
– दषहरा
389. शरद पूर्णिमा किस तिथि को आती है ?
– आश्विन शुक्ल पूर्णिमा
390. आश्विन शुक्ला पूर्णिमा के दिन मनाये जाने वाले त्यौहार 'शरद पूर्णिमा' को किस व्रत के नाम से भी जाना जाता है ?
– कोजगर व्रत
391. किस दिन शिव पार्वती की पूजा की जाती है तथा अर्द्ध रात्रि में चन्द्रमा की रोषनी में खीर रखकर सुबह उसका प्रसाद ग्रहण किया जाता है ?
– शरद पूर्णिमा

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

392. करवा चौथ व्रत मनाया जाता है–
– कार्तिक कृष्ण चतुर्थी
393. करवा चौथ व्रत का पूज्य प्रतीक है–
– मिट्टी या चीनी (शक्कर) का पात्र
394. मिट्टी का चौमुखा दीपक किस त्यौहार का पूज्य प्रतीक माना जाता है ?
– धन तेरस
395. धन तेरस कब आती है ?
– कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी
396. हिन्दुओं का सबसे बड़ा त्यौहार 'दीपावली' कब मनायी जाती है ?
– कार्तिक अमावस्या
397. विक्रम सम्वत् का प्रारंभिक दिन किस त्यौहार को माना जाता है ?
– दीपावली
398. गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) कब की जाती है ?
– कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा
399. दीपावली के बाद भैया दूज (यम द्वितीया) कब आती है ?
– कार्तिक शुक्ल द्वितीया
400. महर्षि दयानन्द तथा भगवान महावीर का निर्वाण दिवस किस तिथि को आता है ?
– कार्तिक अमावस्या
401. आँवला नवमीं किस तिथि को मनायी जाती है ?
– कार्तिक शुक्ल नवमीं
402. देवउठनी एकादशी किस तिथि को मनायी जाती है ?
– कार्तिक शुक्ल एकादशी
403. दशलाक्षण पर्व किस धर्म से सम्बन्धित है ?
– जैन धर्म
404. भाद्रपद शुक्ला पंचम से चौदस तक मनाया जाने वाला जैनियों का त्यौहार है–
– दशलाक्षण पर्व
405. ईसा मसीह के जन्म दिवस को किस रूप में मनाया जाता है ?
– क्रिसमिस डे (प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर)
406. ईसा मसीह के पुनर्जीवन के रूप में कौनसा त्यौहार मनाया जाता है ?
– ईस्टर
407. ईस्टर का पर्व किसके पुनर्जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है ?
– ईसा मसीह
408. ईस्टर के रविवार से ठीक पहले आने वाले शुक्रवार को कौनसा त्यौहार मनाया जाता है ?
– गुडफ्राइडे
409. रमजान माह में रोजे रखकर इस माह की समाप्ति के अंतिम दिन मनाया जाने वाला मुसलमानों का त्यौहार है–
– ईदुलफितर
410. मोहम्मद साहब की स्मृति में मनाया जाने वाला मुसलमानों का प्रसिद्ध त्यौहार है–
– बारावफात (ईदमिलाद)
411. मोहम्मद साहब के नाती हुसैन इमाम के बलिदान के रूप में मनाया जाने वाला मुसलमानों का त्यौहार है–
– मोहर्रम
412. मोहम्मद साहब की मुक्ति के रूप में मनाया जाने वाला मुसलमानों का त्यौहार है–
– शब–ए–बरात
413. असूचंड पर्व किनका प्रसिद्ध त्यौहार है ?
– सिंधियों का

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

6.राजस्थान के प्रमुख मेले

414. आदिवासियों का कुम्भ (वागड़ का सबसे बड़ा मेला) कहाँ लगता है ?
– बेणेश्वर (जिला–डूँगरपुर) में
415. प्रसिद्ध आदिवासी मेला बेणेश्वर किस जिले में आयोजित होता है ?
– डूँगरपुर
416. आदिवासियों का कुम्भ किन नदियों के संगम पर लगता है ?
– माही, सोम एवं जाखम
417. राजस्थान में कपिल मुनि का मेला कोलायत (बीकानेर) में कब लगता है ?
– कार्तिक पूर्णिमा में
418. राजस्थान में कपिल मुनि का मेला किस झील के किनारे लगता है ?
– कोलायत झील (बीकानेर)
419. महर्षि कपिल को किस दर्शन का प्रवर्तक कहा जाता है ?
– सांख्य दर्शन
420. सांख्य दर्शन के प्रवर्तक महर्षि कपिल की तपोभूमि है–
– कोलायत (बीकानेर)
421. कपिल मुनि का मंदिर कहाँ है ?
– कोलायत (बीकानेर)
422. रणथम्भौर का प्रसिद्ध मेला कब लगता है ?
– भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को
423. सम्पूर्ण विश्व में किस स्थान पर त्रिनेत्रधारी गजानंद मंदिर स्थित है ?
– रणथम्भौर दुर्ग (सवाई माधोपुर)
424. कैलादेवी का मेला कब लगता है ?
– चैत्र–शुक्ल पक्ष की अष्टमी को
425. कैलादेवी का मंदिर किस पर्वत पर स्थित है ?
– त्रिकूट पर्वत (करौली)
426. लांगुरिया गीत किस मेले में गाया जाता है ?
– कैलादेवी के मेले में
427. लोकदेवता रामदेवजी से सम्बन्धित राजस्थान का 'रुणेचा मेला' समाज के लिए किस प्रकार योगदान देता है ?
– साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश
428. हनुमानगढ़ जिले की नोहर तहसील में कौनसा प्रसिद्ध मेला भरता है ?
– गोगाजी का मेला
429. परबतसर (नागौर) में श्री वीर तेजाजी का पशु मेला कब लगता है ?
– श्रावण पूर्णिमा से भाद्रपद मास अमावस्या तक
430. पुष्कर मेला किस तिथि को सम्पन्न होता है ?
– कार्तिक पूर्णिमा
431. प्रायः जनवरी माह में आयोजित होने वाले ऊँट महोत्सव का आयोजन कहाँ होता है ?
– बीकानेर
432. राजस्थान में ऊँट मूलतः किस स्थान के प्रसिद्ध है ?
– नाचना (जैसलमेर)
433. परबतसर (नागौर) के पशु मेले को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
– तेजाजी पशु मेला
434. प्रसिद्ध शीतला माता मेला कहाँ भरता है ?
– चाकसू (जयपुर)
435. प्रतिवर्ष चैत्र कृष्ण एकादशी को जौहर मेला कहाँ भरता है ?
– चित्तौड़गढ़
436. बादशाह मेला कहाँ भरता है ?
– ब्यावर (अजमेर) में
437. राजस्थान के किस जिले में राज्य सरकार सर्वाधिक पशु मेलों का आयोजन करती है ?
– नागौर
438. राजस्थान के किन दो स्थानों पर नागौरी बैलों का मुख्य रूप से व्यापार होता है ?
– मेड़ता सिटी व परबतसर (नागौर जिले में)
439. राजस्थान में सर्वाधिक पशु किस जिले में आयोजित किये जाते हैं ?
– नागौर
440. आय की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है–
– नागौर का पशु मेला (वीर तेजाजी का मेला)
441. महाशिवरात्रि पशु मेला किस जिले में आयोजित किया जाता है
– करौली
442. चन्द्रभागा पशु मेला किस जिले मे आयोजित होता है ?
– झालावाड़

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

7.राजस्थान के प्रमुख आभूषण एवं वेशभूषा

443. विश्व में पन्ने की सबसे बड़ी मण्डी है–
– जयपुर
444. 'बोर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
445. 'बोरला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
446. 'टीका' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
447. 'टीको' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
448. 'टीको भलको' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
449. 'टीकड़ीर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
450. 'शीशफूल' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– सिर
451. 'रखड़ी' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
452. 'मांगटीका' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
453. 'सुरमंग' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
454. 'मेमन्द' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
455. 'दामनी' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
456. 'सांकली' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
457. 'हांकल' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
458. 'गोफण' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
459. 'ताविद' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
460. 'चूड़ारत्न' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– सिर
461. 'रखन' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– दाँत
462. 'चूंप' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– दाँत
463. 'चोप' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– नाक
464. नाक में पहने जाने वाला 'चोप' नामक आभूषण प्रायः किस जाति की महिलाओं द्वारा पहना जाता है ?
– भील जाति
465. 'फींणी' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
466. 'लौंग' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
467. 'नथ' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
468. 'बेसरि' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
469. 'लटकन' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
470. 'बारी' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
471. 'कांटा' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
472. 'चूनी' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
473. 'चोप' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
474. 'बाँका' शरीर के किस अंग का आभूषण हैं ?
– नाक
475. 'बाली' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
476. 'झैला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
477. 'झोले' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
478. 'झौला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
479. 'झेमला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
480. 'झूमका' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
481. 'कर्णफूल' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
482. 'फूल' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
483. 'टोटी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
484. 'टोटीफूल' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
485. 'टॉप्स' शरीर के किस अंग पर का आभूषण है ?
– कान
486. 'भूचारिया' किस अंग का आभूषण है ?
– कान
487. 'सुरलिया' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
488. 'अंगोटिया' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
489. 'मुरकिया' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
490. 'एरनहार' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
491. 'टोटी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
492. 'बारेठ' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
493. 'छेलकड़ी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

494. 'मोरकंवर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
495. 'पीपलपन्ना' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
496. 'लूंग' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कान
497. 'मंगलसूत्र' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
498. 'नेकलेस' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
499. 'हार' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
500. 'चन्द्रहार' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
501. 'रानीहार' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
502. 'हंसहार' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
503. 'कंठमाला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
504. 'मटरमाला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
505. 'वरमाला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
506. 'हंसली' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
507. 'हालरो' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
508. 'खुंगाली' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
509. 'मंडली' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
510. 'चम्पाकली' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
511. 'पंलड़ी' शरीर के किस अंग पर का आभूषण है ?
– गला
512. 'बड़ा'' शरीर के किस अंग पर का आभूषण है ?
– गला
513. 'तुलसी' शरीर के किस अंग पर का आभूषण है ?
– गला
514. 'तिमणिया' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
515. 'मांदलिया' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
516. 'ठूस्सी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
517. 'कण्ठी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
518. 'चैन' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– गला
519. 'बाजूबंद' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
520. 'भुजबंद' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
521. 'अणत' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
522. 'आरत' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
523. 'हारपान' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
524. 'टड्डे' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
525. 'टड्डा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
526. 'नठ्ठा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
527. 'तकया' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– बाजू
528. 'कन्दोरा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कमर
529. 'कन्दोरी (करघनी)' शरीर के किस अंग पर पहने जाने वाला आभूषण है ?
– कमर
530. 'कणकती' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कमर
531. 'कंडोरू' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कमर
532. 'तगड़ी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कमर
533. 'छल्ला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
534. 'अरसी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
535. 'दमणा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
536. 'मूंदड़ी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
537. 'हथपान' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
538. 'अंगूठी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
539. 'बीठी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की अंगुलियाँ
540. 'चूड़ा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई
541. 'चूड़ियाँ' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई
542. 'नोगरीा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई
543. 'कांकणी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई
544. 'बंगड़ी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई
545. 'चांटा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई
546. 'फोलरी या पोलरी' शरीर के किस अंग पर पहने जाने वाला आभूषण है ?
– पैर के अंगूठे

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

547. 'गौर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर के अंगूठे
548. 'बिछूड़ी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर के अंगूठे के पास वाली अंगूली
549. 'पगपान' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की अंगूलियाँ
550. 'लंगर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
551. 'नेवरी' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
552. 'आँवला' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
553. 'झांझर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
554. 'टांका' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
555. 'पायजेब' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
556. 'पायल' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
557. 'कड़ा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
558. 'लच्छा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
559. 'नूपूर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
560. 'टीडो' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
561. 'रमझौल' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– पैर की कलाई
562. 'जंजीर' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– कमर व गला
563. 'कड़ा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ और पैर की कलाई
564. 'गजरा' शरीर के किस अंग का आभूषण है ?
– हाथ की कलाई एवं बाजू
565. 'तंग मोरखा' आभूषण से किसे सजाया जाता है ?
– ऊँट को
566. 'गोरबन्द' आभूषण से किसे सजाया जाता है ?
– ऊँट को
567. 'गोरबन्द आभूषण है–
– ऊँट के गले का आभूषण
568. 'पिलाण' आभूषण से किसे सजाया जाता है ?
– ऊँट को
569. 'केरी भाँत की ओढ़नी' किस जाति की स्त्रियों में लोकप्रिय है ?
– आदिवासी महिलाओं में
570. 'ताराभाँत की ओढ़नी' किस समुदाय की महिलाओं में प्रचलित है ?
– आदिवासी महिलाएं
571. बख्तरी वस्त्र पहना जाता है–
– ग्रामीण क्षेत्र में पुरुषों के शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला वस्त्र
572. डूँगरशाही ओढ़नी कहाँ पर तैयार की जाती है ?
– जोधपुर
573. मदील क्या है ?
– एक प्रकार की पगड़ी
574. भील पुरुष अपने बालों को ढ़कने के लिए सिर पर जो पहनते हैं, उसे कहा जाता है–
– पात्या
575. 'ताराभांत की ओढ़नी' राजस्थान की किन स्त्रियों की लोकप्रिय वेशभूषा है ?
– आदिवासी स्त्रियाँ
576. उदेशाही, अमरशाही, विजयशाही और शाहजशनी किसकी शैलियाँ हैं ?
– राजस्थानी पगड़ियों की शैलियाँ
577. मदील एक प्रकार की..................है।
– पगड़ी
578. मोठड़ा वेषभूषा के कौनसे प्रकार के अंतर्गत आता है ?
– पगड़ी
579. महिलाओं की ओढ़नी 'पोमचा' का रंग कैसा होता है ?
– पीला

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

8.राजस्थान के प्रमुख रीति रिवाज

580. 'पंचमासी' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– जन्म से
581. 'सुवाहड़' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– जन्म से
582. 'आगरणी' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– जन्म से
583. 'सुआ' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– जन्म से
584. 'आख्या' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– जन्म से
585. 'नामकरण' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– जन्म से
586. 'भदर' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
587. किसी की मृत्यु हो जाने पर शोक स्वरूप अपने बाल, दाढ़ी, मूंछ कटवा लेने का रिवाज को कहते हैं–
– भदर
588. 'बैकुंठी' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
589. 'बखेर' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
590. 'दंडोत' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
591. 'पिंडदान' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
592. 'सातरवाड़ा' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
593. 'ओख' किससे सम्बन्धी रीति रिवाज है ?
– मृत्यु से
594. सगाई के बाद वर को मुख्य रूप से गणेश चतुर्थी पर तथा वधू को छोटी व बड़ी तीज तथा गणगौर पर उपहार भेजे जाते हैं जिसे कहा जाता है–
– चिकनी कोथड़ी
595. विवाह में आने वाले मेहमानों के लिए गाया जाने वाला गीत कहलाता है–
– पावणा
596. बारात को विदा करते समय वर–वधू व प्रत्येक बाराती को नकद व वस्तुएँ भेंट करने का रिवाज कहलाता है–
– पहरावणी, समठणी, समटावणी व रंग बरी
597. मेहमानों को भोजन कराते समय गाया जाने वाला गीत कहलाता है–
– सीटणा
598. बिनोटा क्या है ?
– दूल्हा–दुल्हन के विवाह की जूतियाँ
599. 'परणेत' गीत किस अवसर पर गाया जाता है ?
– विवाह के अवसर पर
600. बारात रवाना होने के पश्चात् वर पक्ष के यहाँ स्त्रियों द्वारा विवाह का स्वांग रचना व विभिन्न विनोदपूर्ण कार्य करना कहलाता है–
– टूँटिया
601. तोरण द्वार पर वर की सास अथवा बुआ सास द्वारा की जाने वाली मांगलिक आरती कहलाती है–
– झाला–मिला की आरती
602. कामण है–
– स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाले रसीले गीत
603. बढ़ार का भोज किस मौके पर रखा जाता है ?
– विवाह के अवसर पर
604. लड़के के विवाह के अवसर पर विवाह के दूसरे दिन आयोजित किया जाने वाला सामूहिक भोज कहलाता है–
– बढ़ार
605. पश्चिमी राजस्थान में विवाह के दूसरे दिन अफीम द्वारा मेहमानों की मान–मनवार करना कहलाता है–
– रियाण
606. किस प्रथा के तहत जब किसी परिवार में त्यौहार के अवसर पर कोई मृत्यु हो जाती है तो पीढ़ी दर पीढ़ी उस त्यौहार को नहीं मनाया जाता है ?
– ओख
607. मारवाड़ में नाता प्रथा को कहा जाता है–
– चूड़ी पहनाना
608. राजपूत राजाओं तथा जमीदारों द्वारा पहले अपनी लड़की के विवाह में दहेज के साथ कुंवारी कन्याएँ भेजना किस प्रथा के अन्तर्गत आता है ?
– डावरिया
609. मौसर क्या है ?
– मृत्यु के पश्चात् मृत व्यक्ति के निमित्त दिया जाने वाला भोज
610. जौसर क्या है ?
– मृत्यु से पूर्व जीवित व्यक्ति के निमित्त दिया जाने वाला भोज
611. बेटी का पहला प्रसव होने पर उसके पीहर वालों द्वारा जवाँई व उसके सम्बन्धियों को भेंट देना कहलाता है–
– कोथला
612. वर पक्ष द्वारा वधू के लिये मेहंदी, वस्त्र, आभूषण खरीदकर लाने को कहा जाता है–
– बरी पड़ला
613. आनन्द विवाह है–
– सिक्खों के विवाह की रीति

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

9.राजस्थानी के संगीत एवं प्रसिद्ध लोक गीत

614. जयपुर घराना किस नृत्य शैली का आदिम घराना माना जाता है ?
– कत्थक नृत्य

615. जयपुर घराना मूलतः किस गायन शैली से सम्बन्धित है ?
– ध्रुपद

616. जयपुर घराने के प्रथम प्रवर्तक थे–
– भानूजी

617. 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश' को अल्लाह जिलाई बाई ने किस राग मे गाया ?
– मांड गायन शैली में

618. 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश' को राजस्थान का राज्य गीत कहा जाता है, जिसे प्रायः किस शैली में गाया जाता है ?
– माण्ड शैली

619. प्रसिद्ध माण्ड गायिका मांगी बाई का सम्बन्ध किस स्थान से है ?
– उदयपुर

620. प्रसिद्ध माण्ड गायिका अल्लाजिलाई बाई का सम्बन्ध किस स्थान से है ?
– बीकानेर

621. प्रसिद्ध माण्ड गायिका बन्नो बेगम का सम्बन्ध किस स्थान से है ?
– जयपुर

622. राजस्थान की प्रचलित लोक गायन शैली 'चारबेत' कहाँ की प्रसिद्ध है ?
– टोंक

623. माण्ड गायकी के लिये 1982 में पद्मश्री से सम्मानित अल्लाह जिलाई बाई का सम्बन्ध किस जिले से था ?
– बीकानेर

624. राजस्थान के किस लोक गीत में ऊँट के श्रृंगार का वर्णन किया जाता है ?
– गोरबन्द

625. राजस्थान का प्रधान नृत्य घूमर के साथ गाया जाने वाला गीत है–
– घूमर

626. राजस्थान की वियोगिनी स्त्री कुरजाँ पक्षी के द्वारा संदेष भेजने के लिए कौनसा विरह गीत गाती है ?
– कुरजाँ

627. राजस्थान की स्त्रियों द्वारा पानी भरने जाते समय गाया जाने वाला गीत है–
– पणिहारी

628. राजस्थान में बालों का श्रृंगार का वर्णन किस गीत में मिलता है ?
– कांगसियो

629. प्रसिद्ध ढ़ोला–मारू कथा का वर्णन करते हुए गाया जाने वाला गीत 'ढ़ोला–मारू' राजस्थान के किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– दक्षिणी राजस्थान में

630. मोरध्वज एवं सेऊसंमन क्या है ?
– राजस्थान की प्रसिद्ध लावणियाँ

631. ससुराल में जमाई के आगमन पर स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाला गीत है–
– पावणा

632. प्रेमी द्वारा अपनी प्रेमिका को बुलाने के अवसर पर गाया जाने वाला गीत कहलाता है–
– लावणी

633. 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देष' लोक गीत में किसका वर्णन है ?
– अपने प्रेमी की प्रतीक्षा में व्यथित स्त्री

634. मारवाड़ में प्रभावषाली व्यक्ति की मृत्यु पर गाया जाने वाला मार्मिक गीत है–
– मरसिये

635. ओल्यूँ क्या है ?
– बेटी के विवाह पर विदाई के समय गाया जाने वाला गीत

636. प्रेमिका द्वारा अपने प्रेमी की याद में कौए को संदेश देकर प्रेमी को बुलाने हेतु गाया जाने वाला गीत कहा जाता है–
– कागा

637. भगवान राम व श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करने वाला लोकगीत है–
– हरजस

638. पपैयो क्या है ?
– राजस्थान का लोकगीत

639. बिणजारा क्या है ?
– राजस्थान का लोकगीत

640. करौली में कैलादेवी के भक्तों द्वारा उनकी भक्ति में गाया जाने वाला गीत है–
– लांगुरिया

641. झोराबा क्या है ?
– प्रेमिका के वियोग में गाया जाने वाला गीत

642. जनाना महलों के बाहर बैठकर प्रातः एवं सांयकालीन गायन करने वाले लोग कहलाते हैं–
– पुरबिये

643. हिचकी है–
– एक प्रसिद्ध लोकगीत

644. मांड गीत राजस्थान के किस जिले में प्रचलित है ?
– बीकानेर

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

10.राजस्थान के प्रसिद्ध लोक नृत्य, लोक नाट्य एवं ख्याल

645. होली के दिनों में फसल की कटाई के अवसर पर भील जनजाति के पुरुषों एवं स्त्रियों द्वारा एक गोल घेरा बनाकर किया जाने वाला नृत्य है–
– गैर/घैर नृत्य
646. होली के अवसर पर राजस्थान के किन क्षेत्रों में गैर नृत्य किया जाता है ?
– बाड़मेर एवं मेवाड
647. मेवाड़ अंचल में मूलतः होली के अवसर पर किया जाने वाला गवरी नृत्य उत्सव किस भगवान को समर्पित है ?
– भगवान शिव
648. गैर नृत्य मूलतः किस त्यौहार पर किया जाता है ?
– होली
649. गैर नृत्य के नृत्याकार को कहा जाता है–
– गैरिया
650. भील जनजाति द्वारा होली के अवसर पर किया जाने वाला खेल नृत्य है–
– नेजा
651. भील जनजाति द्वारा सावन–भादों महीनों में किया जाने वाला मुखौटा प्रधान नृत्य 'गवरी नृत्य' जो राई नृत्य भी कहलाता है, के प्रमुख पात्र है–
– शिव–पार्वती
652. विवाह के अवसर पर किस जनजाति द्वारा मांदल नृत्य किया जाता है ?
– भील
653. शेखावाटी क्षेत्र में किया जाने वाला वह नृत्य जिसमें काठ की घोड़ी प्रयोग में ली जाती है और जो पुरुष प्रधान नृत्य है–
– कच्छी घोड़ी नृत्य
654. वह नृत्य जिसमें चार व्यक्तियों के आगे–पीछे पंक्तियों में बढ़ने व वापस आने की क्रिया होती है और जो मनमोहक लगती है–
– कच्छी घोड़ी नृत्य
655. शेखावाटी क्षेत्र में होली के अवसर पर किया जाने वाला पुरुष प्रधान नृत्य 'गींदड़ नृत्य' का प्रमुख वाद्ययंत्र है–
– नगाड़ा
656. पुरुषों द्वारा किया जाने वाला चंग नृत्य किस क्षेत्र में सर्वाधिक प्रचलित है ?
– शेखावाटी क्षेत्र
657. चंग नृत्य प्रमुखतः राजस्थान के किस क्षेत्र का लोकनृत्य है ?
– शेखावाटी
658. गरासिया जनजाति द्वारा किये जाने वाले नृत्य 'गैर नृत्य' को करने वाले कहलाते हैं–
– गैरिये
659. होली के अवसर पर बाड़मेर व मेवाड़ में गरासिया जनजाति के केवल पुरुषों द्वारा किये जाने वाले नृत्य 'गैर नृत्य' में किस कला का प्रदर्शन किया जाता है ?
– युद्ध कला
660. गरासिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला नृत्य 'गरबा नृत्य' किन जिलों में प्रचलित है ?
– उदयपुर व सिरोही
661. बिना किसी वाद्ययंत्र के गरासिया जनजाति द्वारा सिरोही व आबू क्षेत्रों में धीमी गति से किया जाने वाला युगल (पुरुष–महिला) नृत्य है–
– वालर
662. किस जाति द्वारा विवाह के अवसर पर द्विचक्री नृत्य किया जाता है ?
– गरासिया जनजाति
663. प्रेम कहानी पर आधारित शंकरिया नृत्य किस जाति से सम्बन्धित है ?
– कालबेलिया जनजाति
664. पणिहारी गीत पर कालबेलिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला लोकनृत्य है–
– पणिहारी नृत्य
665. पुरुष प्रधान अग्नि नृत्य का उद्‌गम स्थल है–
– कतियासर (बीकानेर)
666. वह नृत्य जिसमें कालबेलिया जनजाति की स्त्रियाँ अपनी पोशाकों पर मणियों एवं मोतियों से सजावट करती है और जो पूंगी व खंजरी वाद्ययंत्रों के साथ किया जाता है–
– इण्डौली नृत्य
667. कालबेलिया जनजाति की भीख माँगने वाली स्त्रियों द्वारा तीव्र गति से किया जाने वाला नृत्य है–
– बांगड़िया नृत्य
668. राजस्थान की आत्मा किस नृत्य को कहा जाता है–
– घूमर
669. गुजरात राज्य के गरबा नृत्य से मिलता जुलता श्रृंगार से सम्बन्धित राजस्थान का नृत्य है–
– घूमर
670. मछली नृत्य किस लोकनृत्य का एक रूप है ?
– घूमर
671. लूर एवं झूमरिया नृत्य किस नृत्य के रूप है ?
– घूमर नृत्य
672. 'घूमर नृत्य' राजस्थान के किस क्षेत्र में सर्वाधिक होता है ?
– मारवाड़
673. छोटे–छोटे मटकों में छिद्र करके स्त्रियों द्वारा समूह में धारण करके किया जाने वाला 'झाँझी नृत्य' किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– मारवाड़
674. घुड़ला नृत्य में महिलाएँ छेद किये हुए घड़ों में जलते हुए दीपक रखकर सिर पर धारण करके नृत्य करती है. यह किस जिले में प्रचलित है–
– जोधपुर
675. लोकप्रिय 'अग्नि नृत्य' सर्वाधिक बीकानेर में किस सम्प्रदाय द्वारा किया जाता है ?
– जसनाथी सम्प्रदाय
676. बीकानेर, नागौर व चूरू जिलों में प्रचलित अंगारों पर किया जाने वाला अग्नि नृत्य किनके द्वारा किया जाता है ?
– बीकानेर के जसनाथी सम्प्रदाय के सिद्ध जाटें

677. लोकदेवता पाबूजी के भक्तों द्वारा किया जाने वाला 'थाली नृत्य' में थाली को अपनी अंगुली पर तीव्र गति से घुमाया जाता है. इस नृत्य का मुख्य वाद्ययंत्र है–
– रावणहत्था
678. उदयपुर संभाग में तलवार व काँच के टुकड़ों पर किया जाने वाला भवाई नृत्य किस जाति द्वारा किया जाता है ?
– भवाई जाति
679. मेवात प्रदेश मुख्यतः अलवर में दुल्हन की विदाई पर उसकी सहेलियों द्वारा अपने हाथों की चूड़ियों को बजाते हुए किया जाने वाला नृत्य है–
– खारी नृत्य
680. 'डाँग नृत्य' का सम्बन्ध किस स्थान से है ?
– राजसमंद जिले में नाथद्वारा में स्थित श्रीनाथजी के मंदिर में भक्तों द्वारा किया जाने वाला नृत्य
681. भरतपुर व अलवर जिलों में वाद्ययंत्र नगाडे के साथ किया जाने वाला लोकनृत्य 'बम नृत्य' किस अवसर पर किया जाता है ?
– फाल्गुन माह में नयी फसल के आने पर
682. माली समाज में किसी स्त्री के पुत्र होने पर काँसे के घड़े में दीपक रखकर सिर पर धारण करके स्त्रियों द्वारा किये जाने वाला नृत्य है–
– चरवा नृत्य
683. 'सालेड़ा नृत्य' सामूहिक नृत्य है अथवा एकल ?
– सामूहिक
684. केवल पुरुषों द्वारा विवाह के अवसर पर किया जाने वाला 'ढोल नृत्य' जिसमें चार–पाँच ढोल थाकना शैली में बजाये जाते हैं, किस जिले में प्रचलित है ?
– जालोर
685. तेरहताली नृत्य किस लोक देवता के मेले का प्रमुख आकर्षण है ?
– बाबा रामदेव
686. तेरहताली नृत्य को करते समय किन वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जाता है ?
– इकतारा, दोतारा एवं तंदूरा
687. तेरहताली नृत्य का जन्म स्थल माना जाता है–
– पादरला गाँव (पाली)
688. तेरहताली नृत्य किस पंथ की केवल विवाहित महिलाओं द्वारा किया जाता है ?
– कामड़िया पंथ
689. तेरहताली नृत्य में कामड़ जाति की औरतें सिर से पाँव से तक मंजीरे बाँधती है तथा हाथों के मंजीरों से उन पर आघात करती है. इस नृत्य की प्रसिद्ध नृत्यांगना है–
– माँगीबाई
690. केवल पुरुषों द्वारा किया जाने वाला 'रण नृत्य' जिसमें युद्धकला का प्रदर्शन किया जाता है, किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– मेवाड़
691. राजस्थान में आदिवासियों द्वारा लोकदेवता सूकर का मुखौटा लगाकर किया जाने वाला नृत्य है–
– सूकर नृत्य
692. मूलतः उत्तर प्रदेश के लोकनृत्य 'नौटंकी' एवं 'चरकूला' राजस्थान के किस जिले में सर्वाधिक प्रचलित है
– भरतपुर
693. राजस्थान के लोकनृत्य 'नौटंकी' किन ऐतिहासिक राजाओं की प्रसिद्ध है ?
– राजा भृतहरि एवं हरिश्चन्द्र
694. तेज रफ्तार के साथ चक्कर काटते हुए हाड़ौती अंचल में किया जाने वाला चकरी नृत्य किस जाति की अविवाहित युवतियाँ द्वारा किया जाता है ?
– कंजर जाति
695. विशेषकर दीपावली के अवसर पर किया जाने वाला 'पेजण नृत्य' राजस्थान के किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– बांगड़ क्षेत्र में
696. किस नृत्य में नर्तकी अपने सिर पर आग की लपटें निकलती हुई चरी रखकर नृत्य करती है ?
– चरी नृत्य
697. चरी नृत्य किस जाति का प्रसिद्ध नृत्य है ?
– किशनगढ़ (अजमेर) की गुर्जर जाति
698. किशनगढ़ की फलकू बाई किस नृत्य की प्रसिद्ध नृत्यांगना है ?
– चरी नृत्य
699. वीर रस से सम्बन्धित मेवाड़ का प्रसिद्ध लोकनृत्य जिसमें केवल पुरुष भाग लेते हैं और मुख्य वाद्ययंत्र झूमरा होता है–
– झूमरा नृत्य
700. शेखावाटी क्षेत्र में प्रचलित किस लोकनृत्य में अभिनेता और अभिनेत्री के पात्र बनकर फिल्मी गीतों पर फूहड़ नृत्य किया जाता है ?
– लूहर/ल्हूर नृत्य
701. जोगणियाँ नृत्य किस मेले में किया जाता है ?
– कैलादेवी के मेले में
702. चंग, गींदड़ और गैर नृत्य प्रायः किस त्यौहार में किये जाते हैं ?
– होली
703. विवाह के अवसर पर किया जाने वाला हाथिमना नृत्य किस जाति के द्वारा किया जाता है ?
– भील

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

11.राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य यंत्र

704. धातु के बने वाद्ययंत्र कहलाते हैं–
– घन वाद्य
705. 'खड़ताल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
706. 'करताल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
707. 'रमझौल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
708. 'टिंकोरा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
709. 'श्रीमंडल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
710. 'मंजीरा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
711. 'भरनी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
712. 'घुरालिया' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
713. 'झाँझ' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
714. 'ताल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
715. 'हांकल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
716. 'घुंघरू' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
717. 'टिकोरी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
718. 'थाली' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– घन वाद्य
719. अवनद्ध वाद्ययंत्र की प्रमुख विषेषता है–
– चमड़े से ढ़का होना
720. अवनद्ध वाद्ययंत्र को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है ?
– ताल वाद्य
721. 'चंग (डफ)' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
722. 'चंगड़ी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
723. 'ढीबको' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
724. 'मृदंग (पखवाज)' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
725. 'ढोल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
726. 'ढाक' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
727. 'ढोलक' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
728. 'पाबूजी के माटे' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
729. 'घेरा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
730. 'माठ' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
731. 'मादल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
732. 'गड़गड़ाटी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
733. 'कुंडी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
734. 'डमरू' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
735. 'डेरूं' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
736. 'धौसा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– अवनद्ध वाद्य
737. फूँक से बजाये जाने वाद्ययंत्र कहे जाते हैं–
– सुषिर वाद्य
738. 'शहनाई' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
739. 'सुरनई' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
740. 'तुरई' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
741. 'तुरई' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
742. 'अलगोजा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
743. 'पूंगी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
744. 'मुरली' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
745. 'सतारा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
746. 'बांकिया' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
747. 'मशक' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
748. 'नड़' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
749. 'भूँगल (भेरी)' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
750. 'सींगी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
751. 'सींगा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
752. 'शहनाई' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
753. 'करणा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
754. 'कानी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
755. 'तारपी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

756. 'बाँसूरी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
757. 'नागफणी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
758. 'बरगू' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
759. 'शंख' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– सुषिर वाद्य
760. अलगोजा, इकतारा, नौबत एवं ताशा में से किस वाद्ययंत्र को मुँह से बजाया जाता है ?
– अलगोजा
761. वाद्ययंत्र जिनमें तार लगे होते हैं, कहलाते हैं–
– तत् वाद्य
762. 'जंतर' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
763. 'इकतारा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
764. 'रावणहत्था' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
765. 'सारंगी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
766. 'चिकारा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
767. 'भपंग' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
768. 'अपंग' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
769. 'दोतारा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
770. 'कमट' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
771. 'भीलों की कौड़ी' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
772. 'पावरी (पावकी)' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
773. 'पेली' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
774. 'टोटो' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
775. 'कामायचा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
776. 'रबाव' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
777. 'रवाज' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
778. 'सुरिन्दा' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
779. 'सुरमण्डल' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है ?
– तत् वाद्य
780. बाड़मेर–जैसलमेर की मांगणियार जाति का प्रमुख वाद्ययंत्र है ?
– खड़ताल
781. खड़ताल का जादूगर कहा जाता है–
– सद्दीक खाँ (बाड़मेर निवासी)
782. नृत्य, उत्सव तथा गैर नृत्यों में लोक नर्तकों द्वारा पैरों में बाँधी जाने वाली घुंघुरुओं की पट्टी कहलाती है–
– रमझौल
783. अलगोजा, खड़ताल, डेंरू व जन्तर में से तार लगा वाद्ययंत्र है–
– जन्तर
784. वाद्ययंत्र 'थाली' का प्रयोग विशेष रूप से किस नृत्य में किया जाता है ?
– चरी नृत्य
785. किस वाद्ययंत्र का प्रयोग करके लोकदेवता तेजाजी और गोगाजी के अनुयायियों द्वारा साँप के काटे हुए व्यक्ति का इलाज किया जाता है ?
– भरनी
786. चंग जैसा वाद्ययंत्र ढीबको किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– गोड़वाड़ क्षेत्र
787. मुहर्रम के अवसर पर प्रयोग में लिया जाने वाला प्रसिद्ध वाद्ययंत्र कौनसा है ?
– ताशा
788. ऐसा वाद्ययंत्र जिसका निर्माण आधे कटे नारियल की कटोरी से होता है ?
– रावणहत्था

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

12.राजस्थान की चित्रकला

789. नाथद्वारा शैली के पेंटिंग्स को सामान्यतः क्या कहा जाता है ?
– पिछवाई
790. पिछवाई चित्रकला शैली किस शैली का एक अंश है ?
– शाहपुरा शैली
791. पिछवाईयों के चित्रण का मुख्य विषय है–
– भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से
792. नाथद्वारा शैली चित्रकला की किस शैली की उप इकाई है ?
– मेवाड़ शैली
793. नाथद्वारा शैली में किस भगवान की लीलाओं का चित्रित किया जाता है ?
– भगवान कृष्ण की लीलाओं का
794. नाथद्वारा शैली का विकास किस शासक के काल में हुआ था ?
– महाराणा राजसिंह के
795. चित्रकला की नाथद्वारा शैली का विकास किस शासक के शासनकाल में हुआ ?
– महाराणा राजसिंह
796. चित्रकला की कोटा शैली का उपनाम है–
– हाड़ौती शैली
797. नूर मोहम्मद राजपूताने के किस राज्य का प्रमुख चित्रकार था ?
– कोटा
798. नूर मोहम्मद राजपूताना के किस शैली के प्रसिद्ध चित्रकार थे ?
– कोटा शैली
799. चित्रकला की कोटा शैली (हाड़ौती शैली) को किस शासक ने संरक्षण दिया ?
– महाराव रामसिंह ने
800. किसके शासन में निर्मित चित्रषाला (रंगीन चित्र) बूँदी शैली का श्रेष्ठ उदाहरण है ?
– महाराव उम्मेद सिंह
801. पशु–पक्षियों को महत्व देने वाले स्कूल ऑफ पेन्टिंग का नाम है–
– बूँदी शैली
802. राजस्थानी विचारधारा की चित्रकला का आरम्भिक मुख्य केन्द्र था–
– बूँदी
803. राजस्थान में सर्वाधिक पशु–पक्षियों के चित्र केवल किस चित्रकला शैली में मिलते हैं ?
– बूँदी चित्रकला शैली
804. बूँदी चित्रकला शैली में किन रंगों की प्रधानता देखने को मिलती है ?
– लाल व पीला रंग
805. बूँदी चित्रकला शैली में किन वृक्षों की प्रधानता देखी गई है ?
– खजूर के वृक्षों की
806. वर्षा ऋतु में नाचता हुए मोर किस चित्रकला शैली का सबसे अनोखा विषय रहा है ?
– बूँदी चित्रकला शैली
807. महा–मारु शैली का प्रचलन किसके शासनकाल में हुआ ?
– गुर्जर–प्रतिहार वंश के शासनकाल में
808. प्रसिद्ध चित्र कृति 'ढाला मारू' की शैली है–
– मारवाड़ शैली (जोधपुर शैली)
809. नूर मोहम्मद राजपूताना के किस शैली के प्रसिद्ध चित्रकार थे ?
– कोटा शैली
810. चित्रकला की कोटा शैली का उपनाम है–
– हाड़ौती शैली
811. चित्रकला की कोटा शैली (हाड़ौती शैली) को किस शासक ने संरक्षण दिया ?
– महाराव रामसिंह
812. किशनगढ़ शैली की प्रसिद्ध कृति 'बणी–ठणी' के चित्रकार थे–
– मोरध्वज निहालचंद
813. बणी–ठणी चित्रशैली किस क्षेत्र की चित्रकला से सम्बन्धित है ?
– किशनगढ़
814. किशनगढ़ चित्रकला शैली को संरक्षण किस शासक ने दिया था ?
– राव सावंतसिंह
815. किस शासक का समय किशनगढ़ शैली का स्वर्ण युग कहा जाता है ?
– महाराजा सावंतसिंह
816. किशनगढ़ शैली का प्रमुख चित्र है–
– बणी–ठणी
817. हिन्दी साहित्यकार महाराजा सावंतसिंह को किस नाम से जानते थे ?
– नागरीदास
818. बणी–ठणी को राधा और कृष्ण के रूप में मानने वाले शासक थे–
– महाराजा सावंतसिंह
819. 'कमल से भरे सरोवर' कौनसी चित्रकला शैली का विषय है ?
– किशनगढ़ शैली
820. राजस्थान की मोनालिसा कही जाने वाली पेंटिंग 'बणी–ठणी' के चित्रकार थे–
– मोरध्वज निहालचंद
821. भारत सरकार द्वारा राजस्थानी चित्रशैली के किस चित्र पर 5 मई, 1973 ई. को 20 पैसे का डाक टिकिट जारी किया गया ?
– बणी–ठणी
822. राजस्थान में किशनगढ़ शैली के प्रसिद्ध चित्र 'बणी–ठणी' को भारत की मोनालिसा कहा जाता है. इस चित्र को प्रकाश में लाने का श्रेय है–
– एरिक डिक्सन
823. बणी–ठणी को भारत को मोनालिसा किसने कहा है ?
– एरिक डिक्सन
824. प्रसिद्ध चित्र 'गीत गोविंद' किस शैली का चित्र है ?
– किशनगढ़ शैली

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

825. रामलाल, अली रजा एवं हसन चित्रकारों का त्रिगुट किस चित्रशैली से संबंधित है ?
– बीकानेर चित्रकला शैली

826. उस्ताद कहलाने वाले चित्रकारों ने भित्तिचित्र किस नगर में बनाये ?
– बीकानेर

827. मेवाड़ के रागमाला, रसिक प्रिया, गीत गोविन्द जैसे विषयों पर लघु–चित्र शैली किस शासक के काल में चरम सीमा पर पहुँची ?
– महाराणा अमरसिंह प्रथम

828. जैसलमेरी चित्रकला शैली का कौनसा प्रमुख चित्र जैसलमेर के राज प्रासादों की प्रमुख शोभा था–
– मूमल

829. राजस्थान में भित्ति चित्रों को चिरकाल तक जीवित रखने के लिए एक आलेखन पद्धति कौनसी है ?
– आरायश

830. मण्डावा क्यों प्रसिद्ध है ?
– भित्ति चित्र के कारण

831. 'सबीह' से तात्पर्य है–
– व्यक्ति चित्र

13.राजस्थान की लोक कलाएं

832. महा–मारु शैली का प्रचलन किसके शासनकाल में हुआ ?
– गुर्जर–प्रतिहार शासकों के

833. विश्व प्रसिद्ध' 'अजरक प्रिन्ट' का सम्बन्ध राजस्थान के किस जिले से है ?
– बाड़मेर

834. विश्व प्रसिद्ध' 'मलियर प्रिन्ट' का सम्बन्ध राजस्थान के किस जिले से है ?
– बाड़मेर

835. 'मलीर प्रिन्ट' का सम्बन्ध किस स्थान से है ?
– बाड़मेर

836. अजरख एवं मलीर क्या है ?
– छपाई की शैलियाँ

837. राजस्थान में थेवा कला के लिए प्रसिद्ध परिवार कौनसा है ?
– सुथार परिवार

838. थेवा कला किस जिले की पहचान है ?
– प्रतापगढ़

839. ब्लू पॉटरी का मूलतः सम्बन्ध किस देष से है ?
– ईरान (पर्शिया) से

840. राजस्थान में ब्लू पॉटरी का सर्वाधिक विकास किसके शासनकाल में हुआ था ?
– सवाई रामसिंह द्वितीय

841. कृपालसिंह शेखावत किस कला के प्रमुख कलाकार रहे ?
– ब्लू पॉटरी

842. राजस्थान के किस क्षेत्र के महाराजाओं ने ब्ल्यू पॉटरी को प्रश्रय दिया ?
– जयपुर

843. राजस्थान की प्रसिद्ध ब्ल्यू पॉटरी की दस्तकारी का उद्‌भव कहाँ हुआ ?
– पर्षिया (ईरान)

844. राजस्थान में ब्लू पॉटरी का प्रसिद्ध केन्द्र है–
– जयपुर

845. राजस्थान में मीनाकारी के लिये प्रसिद्ध जिला है–
– जयपुर

846. मीनाकारी कला का जन्म कहाँ हुआ ?
– पर्शिया (ईरान)

847. मीनाकारी के कलाकारों को लाहौर से जयपुर लाने वाले शासक थे–
– जयपुर के शासक सवाई मानसिंह प्रथम

848. ऊँटों की खाल पर सोने–चाँदी से कलात्मक अंकन कहलाता है–
– उस्ताकला

849. टोंक में स्थित मुबारक महल किस पशु की बलि के लिये प्रसिद्ध था ?
– ऊँट

850. टोंक से ऊँटों का चमड़ा आयात करने वाला पहला रियासती प्रदेश था–
– बीकानेर

851. संगमरमर की मूर्तियाँ कहाँ बनती है ?
– जयपुर में

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

852. नम दीवार पर चूने के माध्यम से देवी–देवताओं का चित्रण 'मथैरणा कला' कहाँ की प्रसिद्ध है ?
– बीकानेर

853. राजस्थान का कौनसा शहर बेल–बूटों की छपाई की पारंपरिक कला के लिए जाना जाता है ?
– बगरू

14.राजस्थान के दुर्ग, महल, हवेलियाँ, छतरियाँ

854. बूँदी के किले का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
– राव बरसिंग द्वारा

855. बूँदी का किला किस प्रकार का दुर्ग है ?
– गिरि दुर्ग

856. बूँदी के किले को अन्य किस नाम से भी जाना जाता है ?
– तारागढ

857. 11वीं सदी में मुगलों के आक्रमणों से रक्षा हेतु अजयमेरू दुर्ग (तारागढ़) का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
– अजयराज चौहान ने

858. मेवाड़ के शासक पृथ्वीसिंह सिसोदिया ने 1505 ई. में अजयमेरू दुर्ग पर अधिकार कर लिया गया और अपनी पटरानी ताराबाई के नाम पर इस दुर्ग का नाम क्या रखा गया ?
– तारागढ़ दुर्ग

859. तारागढ़ दुर्ग किस जिले में स्थित है ?
– अजमेर

860. गढ़बीठली किस किले का नाम है ?
– तारागढ़

861. सोनारगढ़ का दुर्ग या जैसलमेर दुर्ग किस प्रकार के दुर्ग की श्रेणी में आता है ?
– धान्वन दुर्ग

862. सोनारगढ़ दुर्ग या जैसलमेर दुर्ग के निर्माण में किस रंग के पत्थरों का प्रयोग किया गया है ?
– पीले रंग के पत्थरों का

863. किस दुर्ग के बारे में कहा गया है कि यहाँ पहुँचने के लिए पत्थर की पगडण्डियों का प्रयोग करना पड़ता है ?
– सोनारगढ़ का दुर्ग या जैसलमेर दुर्ग

864. स्वर्णगिरि किस दुर्ग का उपनाम है ?
– जैसलमेर दुर्ग

865. सोनार का किला, त्रिकुटगढ़, रेगिस्तान का गुलाब व पश्चिमी राजस्थान का प्रहरी किस दुर्ग को कहा जाता है ?
– जैसलमेर का किला

866. सुवर्णगिरि किस दुर्ग को कहा जाता है ?
– जालौर का किला

867. कांचनगिरि, जालंधर दुर्ग, सोगगिरि, जलालाबाद दुर्ग, सोनारगढ़ दुर्ग एवं जाबालीपुर किस दुर्ग के उपनाम है ?
– जालौर दुर्ग

868. जालौर दुर्ग किस नदी के किनारे स्थित है ?
– सुकड़ी नदी

869. जालौर दुर्ग किस पहाड़ी पर स्थित है ?
– सुवर्णगिरि पहाड़ी पर

870. राजस्थान के बीकानेर में स्थित जूनागढ़ के किले का निर्माण किसने करवाया ?
– राव रायसिंह ने

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

871. मयूरध्वजगढ़ किसे कहा जाता है ?
– मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर)
872. राठौड़ एवं सिसोदिया वंषीय राजाओं की शरणागत स्थली किस दुर्ग को कहा जाता है ?
– सिवाना दुर्ग (बाड़मेर)
873. सिवाना दुर्ग किस जिले में स्थित है ?
– बाड़मेर
874. सिवाना दुर्ग (बाड़मेर) की तलहटियों में मारवाड़ के किस शासक की ऐतिहासिक छतरी स्थित है ?
– राव चन्द्रसेन (मारवाड़ का प्रताप)
875. बीकानेर के जूनागढ़ दुर्ग की नींव राव बीका द्वारा रखी गई किन्तु इस दुर्ग का निर्माण किस शासक द्वारा करवाया गया ?
– राव रायसिंह
876. वह कौनसा मेवाड़ का मषहूर शासक था जिसने अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही) की मरम्मत करवाई थी ?
– महाराणा कुम्भा
877. सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित राजस्थान का एकमात्र दुर्ग है–
– अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही)
878. अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही) का निर्माण किसने करवाया था ?
– महाराणा कुम्भा
879. अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही) में जैन धर्म के किस तीर्थंकर का मंदिर स्थित है ?
– 23वें तीर्थंकर पार्ष्वनाथ
880. अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही) में 23वें तीर्थंकर पार्ष्वनाथ के मंदिर में स्थापित अष्टधातु प्रतिमा को किस मुस्लिम आक्रांता द्वारा खण्डित किया गया ?
– मेहमूद बेगड़ा
881. राजस्थान का जिब्राल्टर किस दुर्ग को कहा जाता है ?
– अजयमेरू दुर्ग (तारागढ़)
882. मेवाड़ की आँख किस दुर्ग को कहा जाता है ?
– कुम्भलगढ़ दुर्ग
883. कुम्भगढ़ दुर्ग की दीवार की लम्बाई है–
– 36 किमी.
884. राणा कुम्भा ने 84 दुर्गों में से कितने दुर्गों का निर्माण स्वयं ने कराया ?
– 32 दुर्ग
885. किस दुर्ग के बारे में अबुल फजल ने कहा था–''यह इतनी बुलन्दी पर बना हुआ है कि नीचे से ऊपर देखने पर सिर से पगड़ी गिर जाती है ?
– कुम्भलगढ़ दुर्ग
886. कुम्भलगढ़ दुर्ग किस पहाड़ी में स्थित है ?
– जरगा पहाड़ी
887. कुंभलगढ़ दुर्ग का निर्माण महाराणा कुंभा ने किस शिल्पी के निर्देषन में पूर्ण करवाया ?
– शिल्पी मण्डन
888. वह किला जिसकी आजादी व अस्मिता की रक्षा के लिए वहाँ के ठाकुरों ने गोला–बारूद खत्म होने पर दुष्मनों पर चाँदी के गोले दागे–
– चूरू का किला
889. महर्षि वशिष्ट का अग्निकुण्ड किस दुर्ग में स्थित है ?
– बसंतगढ़ दुर्ग (सिरोही)
890. किस इतिहासकार ने चित्तौड़गढ़ को जौहर नगरी की संज्ञा दी है ?
– कर्नल जेम्स टॉड
891. राजस्थान के झालावाड़ जिले में स्थित गागरोन किले को किस श्रेणी में रखा जा सकता है ?
– जल दुर्ग
892. राजस्थान में स्थापत्य कला का जनक किस शासक को कहा जाता है ?
– राणा कुम्भा
893. चित्तौड़गढ़ स्थित विजय स्तम्भ का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
– राणा कुम्भा
894. कागा की छतरियाँ किस जिले में स्थित है ?
– जोधपुर
895. मूसी महारानी की छतरी (अलवर) का निर्माण किस शासक ने करवाया ?
– महाराजा विनयसिंह
896. मूसी महारानी की छतरी कहाँ स्थित है ?
– अलवर
897. सहेलियों की बाड़ी स्थित है–
– उदयपुर
898. विश्व प्रसिद्ध चौरासी खम्भों की छतरी स्थित है–
– बूँदी
899. पटुवों की हवेली कहाँ स्थित है ?
– जैसलमेर
900. राजस्थान की कौनसी हवेली जाली–झरोखों के लिए प्रसिद्ध है ?
– जैसलमेर की हवेली
901. राजस्थान की किस हवेली में चूने का उपयोग नहीं किया गया है ?
– जैसलमेर की हवेली
902. राजस्थान के बूँदी जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध 84 खम्भों की छतरी 1683 ई. में किस शासक ने बनवाई थी ?
– राव राजा अनिरुद्ध सिंह
903. मीठेशाह की दरगाह किस किले में स्थित है ?
– गागरोण दुर्ग (झालावाड़)
904. डीग के महलों (भरतपुर) का निर्माण किसने करवाया था ?
– महाराजा बदनसिंह
905. डीग के महलों को विशेष संरक्षण किस शासक द्वारा दिया गया ?
– महाराजा सूरजमल जाट
906. जयपुर में हवामहल का निर्माण 1799 ई. में किसने करवाया था ?
– महाराजा सवाई प्रताप सिंह
907. महाराजा सवाई प्रताप सिंह को हवामहल बनाने की प्रेरणा कहाँ से मिली ?
– खेतड़ी महल (झुँझुनूँ)
908. जयपुर के हवामहल का वास्तुकार कौन था ?
– उस्ताद लाल खाँ

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

909. हवामहल में कितने जाली–झरोखें हैं ?
– 365

910. जयपुर के हवामहल को किस वर्ष विष्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था ?
– 1978 ई.

911. सरगासूली कहाँ स्थित है ?
– जयपुर में

912. जयपुर में स्थित सरगासूली का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
– जयपुर के शासक सवाई ईश्वरसिंह

913. किस युद्ध के पश्चात् सरगासूली का निर्माण जयपुर के शासक सवाई ईश्वरसिंह द्वारा करवाया गया ?
– राजमहल युद्ध (1747 ई.)

914. डूँगरपुर में स्थित नौलखा बावड़ी किसने बनवाई ?
– रानी प्रीमलदेवी

915. विजय स्तम्भ (ईसरलाट) के रूप में किस मीनार को जाना जाता है ?
– सरगासूली

916. राजस्थान के दौसा जिले में स्थित चाँद बावड़ी, आभानेरी में सर्वाधिक मूर्तियाँ किस शैली की हैं ?
– गुर्जर प्रतिहार शैली

917. तालाब–ए–शाही (धौलपुर) का निर्माण जहाँगीर के किस मनसबदार ने करवाया था ?
– मुस्लिम मनसबदार सुलेह खाँ

918. राजस्थान के किस तालाब में यक्ष–यक्षणियों की चौबीस मूर्तिया स्थापित है ?
– तालाब–ए–शाही (धौलपुर)

919. वह दुर्ग जो चारों ओर से रेत के ऊँचे टीलों से घिरा हुआ हो, कहलाता है–
– धान्वन दुर्ग

920. राजस्थान में किस किले के पास जैविक उद्यान है ?
– नाहरगढ़

921. किस किले में एक जैसे नौ महल हैं ?
– नाहरगढ़

15.राजस्थान में जातियाँ एवं जनजातियाँ

922. राजस्थान में सर्वाधिक प्रतिशत वाली अनुसूचित जनजाति है–
– मीणा

923. राजस्थान में सर्वाधिक मीणा जनजाति किस जिले में पायी जाती है ?
– जयपुर

924. मीणा जनजाति के लोग किस देवी की पूजा करते हैं ?
– जीणामाता (रैवासा, जिला–सीकर)

925. 'मीणा' का अर्थ होता है–
– मछली

926. मीणा जनजाति को प्रारम्भ में किसने 24 खापों में बाँटा था ?
– मगन सागर ने

927. मीणा जनजाति में पंचायत के मुखिया को क्या कहा जाता है ?
– पटेल

928. 'बुझ देवता' का सम्बन्ध किस जाति से है ?
– मीणा

929. राजस्थान की सबसे प्राचीन जनजाति है–
– भील

930. भीलों में गाँव के मुखिया को कहा जाता है–
– गमेती

931. राजस्थान की भील जनजाति किस सम्भाग/अंचल में अधिक पाई जाती है ?
– उदयपुर

932. राजस्थान की भील जनजाति का सर्वाधिक किस जिले में बाहुल्य है ?
– बाँसवाड़ा

933. राजस्थान की भील जनजाति को किस इतिहासकार ने वन पुत्र की संज्ञा दी है ?
– कर्नल जेम्स टोड

934. राजस्थान के किन जिलों में सर्वाधिक भील पाये जाते हैं ?
– उदयपुर एवं बाँसवाड़ा

935. जनजातियों से सम्बन्धित 'कू' से तात्पर्य है–
– भील जनजाति के घर

936. भीलों की झौंपड़ी को कहा जाता है–
– पाल

937. राजस्थान में गरासिया जनजाति एक आदिवासी जाति है जो सर्वाधिक किन जिलों में पायी जाती है ?
– उदयपुर और सिरोही

938. विभिन्न परिवारों की वंशावली का अभिलेख रखना किस जाति का मुख्य कार्य होता है ?
– भाट

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

16.राजस्थान में सामाजिक भेदभाव एवं प्रथाएँ

939. सागड़ी प्रथा का दूसरा नाम है–
– बंधुआ मजदूर प्रथा या बेगार प्रथा
940. सागड़ी प्रथा का अर्थ है–
– बंधुआ मजदूरी
941. सागड़ी प्रथा सम्पूर्ण राजस्थान में किनकी देन मानी जाती है ?
– राजपूतों की
942. राजस्थान सरकार ने किस वर्ष सागड़ी निवारण अधिनियम बनाकर बंधुआ मजदूरी से मुक्ति प्रदान करवाई थी ?
– 1961 ई. में
943. वर्ष 1906 ई. में लागू 'तलवार बंधाई' एक प्रकार का उत्तराधिकारी शुल्क था जो किस शासक के द्वारा लागू किया गया था ?
– राव पृथ्वीसिंह
944. राजस्थान में डाकनिया प्रथा पर रोक सर्वप्रथम कहाँ लगाई गई ?
– उदयपुर
945. राजपूताने में किस नरेश ने सर्वप्रथम कन्या वध को रोकने का प्रयास किया ?
– कोटा नरेष जगत सिंह
946. राजस्थान में त्याग प्रथा का सम्बन्ध किस वर्ग के समाज से था ?
– राजपूत
947. 1841 ई. में त्याग प्रथा पर सबसे पहले अंकुश लगाने वाली रियासत थी–
– जोधपुर
948. वाल्टर कृत राजपूत हितकारिणी सभा ने किस कुप्रथा को समाप्त करने पर बल दिया था ?
– त्याग प्रथा

17.राजस्थान की प्रमुख भाषा एवं बोलियाँ

949. उदयपुर, राजसमंद, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, भीलवाड़ा व चित्तौड़गढ़ जिलों में कौनसी बोली प्रचलित है ?
– मेवाड़ी
950. राजस्थानी भाषा का उत्पत्ति काल है–
– 12वीं शताब्दी का अंतिम चरण
951. मेवाड़ के शासक महाराणा कुम्भा ने किस बोली में अपने नाटकों की रचना की ?
– मेवाड़ी
952. मारवाड़ी बोली का साहित्यिक रूप है–
– डिंगल
953. मारवाड़ी भाषा की साहित्यिक शैली 'डिंगल' की उत्पत्ति किस अपभ्रंश से हुई है ?
– गुर्जरी अपभ्रंश
954. मारवाड़ी भाषा की सर्वाधिक साहित्य किस शैली में लिखे गये हैं ?
– डिंगल
955. अबुल फजल ने अपनी कृति 'आइने अकबरी' ने कुछ स्थानों पर राजस्थान की किस भाषा शैली का प्रयोग किया है ?
– डिंगल शैली (मारवाड़ी भाषा)
956. जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, सिरोही, सीकर, पूर्वी सिंध व दक्षिणी पंजाब में प्रचलित बोली है–
– मारवाड़ी
957. मारवाड़ी भाषा को किस अंचल/क्षेत्र में सर्वाधिक बोला जाता है ?
– जोधपुर
958. मारवाड़ी भाषा को विशुद्ध मारवाड़ी का दर्जा अकबर के प्रधान नवरत्नों में किसने दिया ?
– अबुल फजल ने आइन–ए–अकबरी में
959. राजस्थान की मानक बोली अथवा मरुभाषा कहलाती है–
– मारवाड़ी
960. मारवाड़ी की उप–बोलियाँ 'खैराड़ी व देवड़ापाड़ी' राजस्थान के किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– सिरोही क्षेत्र में
961. मारवाड़ी की उप–बोली गोड़वाड़ी राजस्थान के किस क्षेत्र में प्रचलित है ?
– पाली जिले के कुछ क्षेत्रों में
962. भरतपुर, अलवर, करौली, धौलपुर व दौसा जिलों में कौनसी बोली प्रचलित है ?
– मेवाती
963. गोड़वाड़ी बोली किस जिले में प्रचलित है ?
– सिरोही
964. वागड़ी बोली किन जिलों में प्रचलित है ?
– बाँसवाड़ा एवं डूँगरपुर
965. कौनसी बोली पश्चिमी हिन्दी एवं राजस्थानी भाषा के बीच समन्वय का कार्य करती है ?
– मेवाती
966. जयपुर व दौसा जिलों में कौनसी बोली सर्वाधिक प्रचलित है ?
– ढूंढाड़ी

–––––

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION